



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 10, 1977 (भाद्रपद 19, 1899)  
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 10, 1977 (BHADRA 19, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्या अधिसूचना दिनांक 19 अप्रैल, 1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्न-लिखित अधीक्षकों (हाल) को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-8-1977 से पांच मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में महायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री एम० एल० धवन
2. श्री जे० एल० कपूर
3. कुमारी मंतोप हांडा

दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० पी० 197/प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग में स्थायी यांत्रिक सारणीयन अधिकारी एवं स्थानापन्न निदेशक 1-236 जी० आई०/77

(तथ्य संसाधन) श्री पी० चटर्जी को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 31-7-1977 के अपराह्न से वार्धक्य निवर्तन आयु से अधिक बढ़ाई गई अवधि के समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

आर० एस० अहलुवालिया  
उप-सचिव,  
कृते अध्यक्ष,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० पी/1894-प्रशा० I—उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में भाषाशास्त्र के लेक्चरर डा० बी० प्रकाशम को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 21-7-1977 के पूर्वाह्न से 2 वर्ष की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 अगस्त 1977

ए० 19011/2/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा द्वारा श्री बी० आर० पटेल, भा० प्र० से० को 3 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आयोग सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा०-I—सं० लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्दरम को, जिन्हें आदेश सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० I दिनांक 31 मई, 1977 द्वारा वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर 31-7-1977 तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-8-1977 से 30-9-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैमियत में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड छ में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर कार्यरत श्री आर० एल० ठाकुर को, राष्ट्रपति द्वारा 20-6-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियमित आधार में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० पी० 1884-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी श्री पी० एस० महादेवन की सेवाएं, जिन्हें 31-7-1977 तक अवकाश प्रदान किया गया था, 1-8-1977 से उनका अवकाश समाप्त हो जाने पर, रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को पुनः मौपी जाती है।

दिनांक 5 अगस्त 1977

सं० ए० 32013/1/76-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समन्वयक अधिसूचना दिनांक 7-6-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री अनिलेन्दु गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-1977 से 3 मास की अतिरिक्त अवधि लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो,

उक्त सेवा के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा० —इस कार्यालय की समन्वयक अधिसूचना दिनांक 12-5-1977 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री ए० एन० कोल्हटकर को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-1977 से 3 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 3-8-77 से 30-9-77 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री टी० डी० जोशी	29-6-1977 से आगामी आदेशों तक
2.	श्री आर० पी० कुकरेती	—वही—
3.	श्री वीर सिंह रियाज	4-7-1977 से 30-9-1977 तक।
4.	श्री आर० आर० अहीर	14-7-1977 से 3-10-77 तक

सं० 32013/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के ग्रेड क के स्थायी अधिकारी श्री बी० एस० जैन को, राष्ट्रपति द्वारा 29-6-1977 से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी

श्री आर० एम० अहलूवालिया को, राष्ट्रपति द्वारा 4-7-1977 से 3-10-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० एल-2/71-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर श्री एल० एन० वेंकटेशन, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, मद्रास ने दिनांक 1-8-77 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं तमिलनाडु सरकार को वापिस सौंप दी गई।

सं० ए०-19036/3/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री एम० वेनकटाचलम, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, मद्रास शाखा को दिनांक 20-7-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०/एम-5/72-प्रशासन-5—श्री मोहम्मद अफीक, कार्यालय अधीक्षक ने दिनांक 28-7-77 के पूर्वाह्न में कार्यालय अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया और उन्हें अपराध सहायक के रूप में प्रत्यावर्तित कर दिया गया।

श्री मोहम्मद अफीक, अपराध-सहायक को दिनांक 2-8-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुनः प्रोन्नत कर कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-19036/2/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री ओ० वेणुगोपाल, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास को दिनांक 4-7-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में प्रोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० के०-16/72-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री के० विजयन, पुलिस अधीक्षक,

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 6-8-77 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं दिनांक 7-8-77 के पूर्वाह्न से प्रवर्तन निदेशालय को वापस सौंपी जाती हैं।

पी० एम० निगम  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक अगस्त 1977

सं० पी० सात-4/76-स्थापना-चार—निम्नलिखित सूचे-दार्थों की उप-पुलिस अधीक्षक (कंपनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर के० रि० पु० दल में, अस्थायी तथा अल्पा-वधिक रिक्तियों के रूप में, अधिसूचनाओं संख्या सी० नौ-13/75-स्थापना दिनांक 3-2-76, टी० नौ-4/76-स्थापना दिनांक 23-2-76 तथा टी० नौ-9/76-स्थापना दिनांक 9-9-76 से हुई नियुक्तियां उनके समक्ष दी हुई नियुक्ति की मूल तिथियों से नियमित की जाती हैं:—

क्र० सं०	नाम	उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर मूल नियुक्ति की तिथि	वर्तमान यूनिट
1.	श्री बलवन्त सिंह	3-12-75	42 वाहिनी
2.	श्री फकीर मोहम्मद	29-12-75	1 सिगनल वाहिनी
3.	श्री सन्तोष सिंह	22-12-75	3 सिगनल वाहिनी
4.	श्री केवल कृष्ण	16-12-75	2 सिगनल वाहिनी
5.	श्री कंबर सिंह	17-12-75	2 सिगनल वाहिनी
6.	श्री खुशी राम	19-12-75	1 सिगनल वाहिनी
7.	श्री वासदेव भनोट	29-7-76	1 सिगनल वाहिनी

एम० एम० घोष  
महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० ओ० II-1070/77-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर (श्रीमती) सुशीला बागडी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एम० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर उनको 31 जुलाई 1977 से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो-134/69-स्था०—श्री ए० ए० नोफिक, 81 दिन की सेवा निवृत्ति अवकाश दिनांक 11-4-77 से 30-6-77 की समाप्ति पर सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

सं० ओ० दो-999/72-स्थापना—श्री मान सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 3 वाहिनी, के० रि० पु० दल के पद का कार्यभार 31-7-1977 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं० ओ० दो-151/77-स्था०-—राष्ट्रपति ले० कर्नल राजेन्द्र सिंह (सेवा निवृत्ति) के पुनर्नियुक्ति पर सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में आगामी आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. ले० कर्नल राजेन्द्र सिंह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के महानिदेशालय में संयुक्त सहायक निदेशक (कृपटो) के पद का कार्यभार दिनांक 1-8-77 के पूर्वाह्न से संभाला।

ए० के० बन्दोपाध्याय  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० ओ० दो-1091/73-स्थापना-—श्री डी० वी० एन० आचार्य ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक 12 बाहिनी के० रि० पु० दल के पद का कार्यभार 31-7-1977 (शुक्रवार) को त्याग दिया।

दिनांक 22 अगस्त 1977

सं० पी० सात-3/77-स्थापना-—श्री गेन्दा लाल शर्मा, प्रशासन अधिकारी, संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) के पद पर महानिदेशालय, के० रि० पु० दल नई दिल्ली में 13-7-1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत किए जाते हैं।

एम० पी० सिंह  
सहायक निदेशक

समन्वय निदेशालय, (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० ए० 38/15/75-बेतार-—श्री धर्मवीर सिंह ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अपनी नियुक्ति 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक दिनांक 6 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न में संभाला।

छत्रपति जोशी  
निदेशक  
पुलिस बूर संचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 अगस्त, 1977

सं० 11/1/77-प्रशा०-I-—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री यू० एस० चतुर्वेदी को तारीख 3 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से तीन महीने की अवधि के लिये या जब तक नियमित आधार पर नियुक्ति के लिये अभ्यर्थी उपलब्ध हो, जो भी अवधि इसमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० पी०/जी०(43)-प्रशा०-I-—श्री अब्दुल गनी ने, यू० एन० ओ० टी० सी० के अधीन स्वाजीलैंड की सरकार के तारीख 1 मई, 1974 से तारीख 30 अप्रैल, 1977 तक जनगणना सलाहकार के रूप में सेवा पर प्रतिनियुक्ति से वापसी पर और उसके बाद उन्हे तारीख 1 मई, 1977 से तारीख 8 जुलाई, 1977 तक (तारीख 9 जुलाई द्वितीय शनिवार और 10 जुलाई, 1977 रविवार को खुट्टी के उपरास्त जोड़ने की अनुमति के साथ मंजूर की गई छुट्टियों की समाप्ति पर, जम्मू और कश्मीर में निदेशक जनगणना कार्य के कार्यालय में श्रीनगर में मुख्यालय के साथ तारीख 11 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद का कार्यभार संभाला।

बद्री नाथ,  
भारत के उप-महापंजीकार और  
भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

प्रतिभूत कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० सी०-14/3973-—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक सी०/4/2586 दिनांक 21-6-77 के आगे श्री एस० एस० जोहरी, निरीक्षक (नियंत्रण) को 24-7-77 से 3-9-77 तक 42 दिनों की और अवधि के लिये प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद में रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है चूंकि श्री पी० एल० नारायणन सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी छुट्टी पर हैं।

रा० विश्वनाथन्  
महा-प्रबंधक,  
प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद, (म० प्र०)

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० 7 एफ० सी० 2(1)-ए०/77-—वित्त मंत्रालय (अध्य-विभाग) के अवर सचिव, श्री पी० एल० मकरवाल को, उस मंत्रालय से उनका स्थानान्तरण होने पर पहली जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक, सातवें वित्त आयोग में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

बी० वी० ईश्वरन्  
सदस्य सचिव, वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० 7 एफ० सी०-2(2)-ए०/77-—इंडियन इकनामिक सर्विस के ग्रेड-II के अधिकारी श्री० एम० एल० आनन्द को, 24 जून, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक 1100-1600 रु० के वेतन क्रम में सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों के अधीन सातवें वित्त आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी०-2(3)-ए०/77—वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी (संवर्ग से बाहर) श्री प्रीतम सिंह गिल को, 24 जून, 1977 से अगला आदेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 700-1300 रुपए के वेतन मान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी०-2(4)-ए०/77—वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के स्थानापन्न निजी सचिव, श्री ओ० पी० डांग को, उस मंत्रालय से उनका स्थानांतरण होने पर 24 जून, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 775-1200 रुपये के वेतनमान में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी०-2(5)-ए०/77—योजना मंत्रालय में सांख्यिकी विभाग के सहायक निदेशक श्री जे० आर० कपूर को, उस मंत्रालय से उनका स्थानांतरण होने पर 6 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 1100-1600 रुपये के वेतनमान में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी०-9(17)-ए०/77—वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी, नार्दन रेलवे, नई दिल्ली के कार्यालय अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री पद्म नाथ सचदेव को, आर्थिक कार्य विभाग से उनका स्थानांतरण होने पर, सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 840-1200 रु० के वेतनमान में 12 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० 7 एफ० सी०-2(7)-ए०/77—स्थानापन्न वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी तथा इंडियन इकॉनामिक सर्विस के ग्रेड-4 के स्थायी अधिकारी, श्री पी० बी० धवन को, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से, उनका स्थानांतरण होने पर, 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक, 1100-1600 रुपए के वेतनमान में सातवें वित्त आयोग के अध्यक्ष का निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी०-9(10)-ए०/77—वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री बी० आर० ओबराय को सरकारी उच्चम कार्यालय से उनका स्थानांतरण होने पर सातवें वित्त आयोग में, प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 650-1040 रुपए के वेतनमान में 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी०-9(18)-ए०/77—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री एच० आर० मैरानी को, वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग से उनका स्थानांतरण होने पर, सातवें वित्त आयोग में 650-1200 रुपये के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर, 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० 7 एफ० सी०-2(8)-ए०/77—केन्द्रीय सचिवालय स्टैनोग्राफर सेवा ग्रेड-I के श्री क०डी० शर्मा, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग (केन्द्रीय प्रभाग) से स्थानांतरण होने पर सातवें वित्त आयोग प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों के अनुसार 775-1200 रुपए के वेतनमान में पहली जुलाई, 1977 से अगला आदेश जारी होने तक निजी सचिव के पद पर नियुक्ति की गई है।

दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० 7 एफ० सी०-2(16)-ए०/77—निर्माण तथा आवास मंत्रालय के सी० एस० एम० एस० संवर्ग के आशुलिपिक एवं भूत-पूर्व वित्त मंत्री के भूतपूर्व अतिरिक्त निजी सचिव श्री एम० आर० गोविन्दाराजलू को, 18 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 775-1200 रुपए के वेतनमान में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० 7 एफ० सी०-2(6)-ए०/77—श्री एम० आर० शिवरामन, आई० ए० एस० (एम० पी०-62), निदेशक को, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) से उनका तबादला होने पर, 15 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग में निदेशक नियुक्त किया गया है।

पी० एल० सकरवाल  
अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० प्र०-1/2(1)/V/2064—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण, कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुभागाधिकारियों (लेखा तथा लेखापरीक्षा) की, 27-7-77 से, अगले आदेश तक 840-40-1000-द० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में अनन्तिम आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में सहर्ष पदोन्नति करते हैं :—

1. श्री ओ० पी० भाटिया।
2. श्री एच० के० सिंह।

एस० एस० मान  
उप महालेखाकार (प्र०)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, गुजरात,

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० स्थापना (फ०)/जी० ओ० 1926—महालेखाकार गुजरात के अधिन लेखा-सेवा के निम्नलिखित स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दशम दिनांक से अगला

आदेश मिलने तक महा-लेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

- |                              |           |              |
|------------------------------|-----------|--------------|
| (1) श्री बी० त्रिअम्बकम्     | 2-5-1977  | पूर्वाह्न से |
| (2) श्री बी० बी० शाह         | 2-5-1977  | पूर्वाह्न से |
| (3) श्री एन० पी० रामस्वामी   | 26-7-1977 | पूर्वाह्न से |
| (4) श्री एम० एन० पबारी       | 26-7-1977 | पूर्वाह्न से |
| (5) श्री बी० आर० श्रीनिवासन् | 10-8-1977 | पूर्वाह्न से |

के० एच० छाया  
उप महालेखाकार (प्र०)  
महालेखाकार गुजरात,  
अहमदाबाद का कार्यालय,

मुख्य लेखा परीक्षा कार्यालय, मध्य रेलवे,  
बंबई, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० जी० ओ० ओ० संख्या-501--श्री एम० ए० शेख, स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) जो स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत है, को दिनांक 1 अगस्त, 1977 (10 भाद्रपद) 1899 में स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर मौलिक रूप में नियुक्त किया जाता है।

कुलबन्त सिंह,  
मुख्य लेखा परीक्षक

कार्यालय: मुख्य लेखा परीक्षक  
द० म० रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० एय/ए०/II/5/बोलूम-II/690--मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे, अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० एन० सत्यन् को अपने कार्यालय में ही, दिनांक 8-8-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० एय/ए०/II/5/बोलूम-II/691--मुख्य लेखा परीक्षक, द० म० रेलवे अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एस० कृष्णास्वामी को अपने कार्यालय में ही दिनांक 6-8-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

डी० एन० प्रसाद  
उप मुख्य लेखा परीक्षक अधिकारी

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 9 अगस्त 1977

शुद्धि-पत्र

सं०-86016(14)/76-प्रशा०-II--इस कार्यालय की अधि-सूचना सं०-86016(13)/75-प्रशा०-II, दिनांक 30 जनवरी, 1976 जो भारत के दिनांक 21-2-1976 के राजपत्र (भाग-III, खण्ड-1, पृष्ठ 1425) में श्री बी० के० बनर्जी, भा० र० ले० से० के, दिनांक 9-9-1975 से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में परावर्तन के संबंध में अधिसूचित की गयी थी, एतद्वारा रद्द की जाती है।

बी० एस० भीर  
रक्षा लेखा अपर महा-नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा,  
महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्ट्रियां,

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 41/77/जी०--वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री जगेश चन्द्र सैन, मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०, दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती  
सहायक महा-निदेशक, प्रशासन-II,  
कूते महा-निदेशक, आर्डनेंस फैक्ट्रियां

भारतीय आर्डनेंस फैक्ट्रियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई 1977

सं० 36/जी०/77--राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०, ग्रेड-II उप-महाप्रबंधक प्रिंसीपल के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं:--

- |  |                |
|--|----------------|
| 1. श्री तेजा सिंह स्थायी प्रबंधक                     | 11 मार्च, 1977 |
| 2. श्री एम० सहाय स्थायी सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० | 11 मार्च, 1977 |
| 3. श्री आर० जी० चौधरी, स्थायी प्रबंधक                | 11 मार्च, 1977 |
| 4. श्री एम० पी० शर्मा, स्थायी प्रबंधक                | 11 मार्च, 1977 |
| 5. श्री आर० एन० सिंह, स्थायी प्रबंधक                 | 11 मार्च, 1977 |
| 6. श्री एस० के० धर, स्थायी प्रबंधक                   | 11 मार्च, 1977 |

सं० 37/जी०/77—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० / प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जी० अग्रवाल, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
2. श्री डी० डी० मिश्र, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
3. श्री आर० ओ० रस्तोगी, स्थायी प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
4. श्री आर० के० जैन, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
5. श्री वी० हरिदाम, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
6. श्री एस० आर० राव, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 11 मार्च, 1977
7. श्री दीपक चौधुरी, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
8. श्री आर० पी० जौहरी, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
9. श्री जे० सी० दुरेजा, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
10. श्री सी० ब्रैनुगोपाल, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
11. श्री एम० बी० जी० जी० बटैह, स्थायी उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
12. श्री वी० एम० दक्षिणामूर्ति, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 11 मार्च, 1977
13. श्री डी० एस० प्रसाद, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 11 मार्च, 1977
14. श्री के० एच० रमन्, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक 11 मार्च, 1977

सं० 38/जी०/77—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० / उप-प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री लक्ष्मीनारायण, स्थायी सहायक प्रबन्धक 19 मार्च, 1977
- (2) श्री सुबीर मुखोपाध्याय, स्थायी सहायक प्रबन्धक 19 मार्च, 1977
- (3) श्री वी० सी० विश्वास, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (4) श्री वी० एस० भाटिया, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (5) श्री के० एम० रविकुमारन् नायर, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (6) श्री ए० एम० नायक, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977

- (7) श्री रमेश चन्द्र, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (8) श्री हरनाम सिंह, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (9) श्री सुकुमार बोम, स्थानापन्न डी० एस० ओ० 19 मार्च, 1977
- (10) श्री एस० के० शर्मा, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (11) श्री सुरेन्द्र कुमार, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (12) श्री यू० एन० सिंह, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (13) श्री के० चन्द्रन, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (14) श्री के० लोगनाथन्, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 19 मार्च, 1977
- (15) श्री दुरेश चन्दर, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (16) श्री एम० के० सन्याल, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (17) श्री एम० एम० कोनार, स्थानापन्न डी० एस० ओ० 19 मार्च, 1977
- (18) श्री मुरलीधर सिंह, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (19) श्री सी० एस० शिव कुमार, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा)- 19 मार्च, 1977
- (20) श्री ए० के० ओवर, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (21) श्री डी० एन० दत्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 19 मार्च, 1977
- (22) श्री सी० के० मेहता, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (23) श्री डी० रमेश कुमार, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (24) श्री एस० सी० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (25) श्री जे० के० अग्रवाल, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (26) श्री ए० के० लम्बा, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (27) श्री यू० एम० प्रभूदेशाई, सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षा) 19 मार्च, 1977
- (28) श्री के० डी० सन्याल, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 19 मार्च, 1977

(29) श्री एम० एस० गोपाल स्वामी, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(50) श्री एच० सी० हरांगटे, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977
(30) श्री सत्यपाल, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(51) श्री एस० टाटा, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977
(31) श्री एस० रवि, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(52) श्रीमती एस० विनायक, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977
(32) श्री एम० एन० पुटाटुण्डा, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(53) श्री अरोविन्दो नन्वी, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977
(33) श्री एस० सेन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	19 मार्च, 1977	सं० 39/जी०/77—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न टी० एस० ओ०/सहायक प्रबंधक के पद पर उनके सामने दर्शायी गयी तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं:-	
(34) श्री एम० आर० घई, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(1) श्री कल्याण के० चटर्जी, स्थायी एस० ए०	19 अप्रैल, 1977
(35) श्री एच० एल० कपूर, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(2) श्री ए० राय चौधुरी, स्थायी एस० ए०	19 अप्रैल, 1977
(36) श्री सी० काकोबी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	19 मार्च, 1977	(3) श्री टी० प्रभाकरन्, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(37) श्री सुभास चन्दर, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(4) श्री बी० बी० गुहा थाकुरटा, स्थानापन्न एस० ए०	19 अप्रैल, 1977
(38) श्री अजय शंकर, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(5) श्री बी० के० शर्मा, स्थानापन्न फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(39) श्री एस० चन्द्रशेखर, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(6) श्री ए० एस० तिवारी, स्थानापन्न फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(40) श्री ए० के० अग्रवाल, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(7) श्री वाई० के० राव, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(41) श्री ए० के० बोस, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	19 मार्च, 1977	(8) श्री डी० आई० भोगल, स्थायी फोरमैन	25 अप्रैल, 1977
(42) श्री एन० वी० मुरलीधरन, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(9) श्री एस० पी० रामाचन्द्रन्, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(43) श्री पी० एन० चक्रवर्ती, सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)	19 मार्च 1977	(10) श्री पी० के० नौग, स्थायी फोरमैन	25 अप्रैल, 1977
(44) श्री एम० के० घोष, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(11) श्री आर० पी० काटीयर, स्थायी एस० ए०	19 अप्रैल, 1977
(45) श्री एच० पी० गौतम, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(12) श्री एम० सी० पुरी, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(46) श्री यू० सी० सक्सेना, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(13) श्री डी० जे० सिन्हा राय, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(47) श्री सुदर्शन कुमार, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(14) श्री के० के० मण्डल, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(48) श्री ए० के० दास, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(15) श्री एम० बी० चौधुरी, स्थायी एस० ए०	19 अप्रैल, 1977
(49) श्री पी० के० मिश्रा, सहायक प्रबंधक (परिवीक्षा)	19 मार्च, 1977	(16) श्री एन० के० नायर, स्थायी फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
		(17) श्री आर० बी० माथूर, स्थायी फोरमैन	25 अप्रैल, 1977



- (18) श्री ए० के० बाकची, स्थायी  
एस० ए० 19 अप्रैल, 1977
- (19) श्री एस० नागभुपनम्, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 19 अप्रैल, 1977
- (20) श्री एन० ए० भट्ट, स्थानापन्न  
फोरमैन 19 अप्रैल, 1977
- (21) श्री एन० बी० नामवीसन्, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 22 अप्रैल, 1977
- (22) श्री सी० ई० जगन्नाथन्, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 22 अप्रैल, 1977
- (23) श्री पी० एस० नारायणस्वामी  
स्थानापन्न फोरमैन 25 अप्रैल, 1977
- (24) श्री एन० आर० चटर्जी, स्थायी  
फोरमैन 25 अप्रैल, 1977
- (25) श्री एम० एन० राय, स्थानापन्न  
फोरमैन 25 अप्रैल, 1977
- (26) श्री के० एम० जी० कुटी, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 25 अप्रैल, 1977
- (27) श्री डी० के० मुखर्जी, स्थानापन्न  
फोरमैन 19 अप्रैल, 1977
- (28) श्री के० पी० भट्टाचार्य, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 19 अप्रैल, 1977
- (29) श्री आर० एन० त्रिपाठी, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 19 अप्रैल, 1977
- (30) श्री के० के० तनेजा, स्थानापन्न  
फोरमैन 19 अप्रैल, 1977
- (31) श्री बी० एन० अरोरा, स्थानापन्न  
स्टोरहोल्डर 25 अप्रैल, 1977
- (32) श्री एन० सी० दे, स्थायी  
एस० ए० 10 मई, 1977

एम० पी० आर० पिल्लाय  
सहायक महानिदेशक आइसैस फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक फरवरी 1977

सं० 23/3/77-सी० ती० आई०— जुलाई 1977 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जून, 1977 के स्तर से पांच अंक बढ़ कर 325 (तीन सौ पचचीस) रहा 1 जुलाई, 1977 का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 395 (तीन सौ पचास) आता है।

(निधुवन सिंह)

उपनिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1977

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/155/54-प्रशासन (राजपत्रित)/5889—राष्ट्रपति, श्री ओ० एन० आनन्द, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (गैर केन्द्रीय सचिवालय सेवा) को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 1-7-77 से और आगे की तीन महीने की अवधि के लिए या जब तक नियमित प्रबन्ध नहीं हो जाता, इनमें जो भी पहल हो, उसके लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में बिल्कुल तबर्ध और अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6/806/67-प्रशा० (राज०)/5900—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री आर० पी० बसु को 1-5-1977 से 31-7-1977 की और आगे की अवधि के लिए उसी सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आर० पी० बसु को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अगस्त 1977

सं० 6/488/58-प्रशा० (राज०)/6039—श्री आर० एस० अरोड़ा, केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न, स्थायी नियंत्रक आयात-निर्यात एवं स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का 26 जून, 1977 को देहान्त हो गया।

के० बी० शोपाद्रि,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० सी० ई० आर०/6/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ :-

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या (बी०) के सामने की अंतिम प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित बढ़ा दिया जाएगा :-

- (11) संयुक्त निदेशक, उद्योग
- (12) वरिष्ठ जिला उद्योग अधिकारीगण
- (13) जिला उद्योग अधिकारीगण
- (14) सहायक जिला उद्योग अधिकारीगण

गौरी शंकर भार्गव  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

## उद्योग मंत्रालय

## औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० 12(591)/68-प्रशा-(राजपत्रित)-खंड III— गुजरात औद्योगिक विकास निगम, अहमदाबाद की प्रतिनियुक्त से प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप श्री जी० सी० अग्रवाल ने दिनांक 27 जून, 1977 के अपराह्न से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के उप निदेशक (कांच और मृत्कला) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

वी० वेक्टरायुलु,

उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त, 1977

सं० प्र० 1/1 (887) —राष्ट्रपति, इस महानिदेशालय के सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-1) श्री एन० के० श्रीवास्तव को दिनांक 23-7-77 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (मुकदमा) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर नियुक्ति होने पर श्री एन० के० श्रीवास्तव ने सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 23 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप निदेशक (मुकदमा) का पदभार संभाल लिया।

दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० प्र०-1/1(1014)—निदेशक, पूर्ति (वस्त्र) के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री के० एम० मेनन दिनांक 31-7-77 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

कीरत सिंह

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० ए० 19012 (56) 73-स्था० ए० —हिन्दुस्थान जिंक लिमिटेड, उदयपुर से प्रतिवर्तित होने पर श्री बी० एस० राव, भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 23 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से सहायक अनुसंधान अधिकारी अयस्क प्रसाधन के रूप में अपने काम पर हाजिर हो गये हैं।

एल० सी० रणधीर

प्रशासन अधिकारी

कृते नियंत्रक

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महामर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० गो० 5257/718-ए०—महामर्वेक्षक कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न अधीक्षकों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (क्रे० मि० से० ग्रुप बी०) के पद पर 840-40-1000-द०-रो०—1200 रु० के वेतन मान में 840 रु० प्रति माह वेतन पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीखों से अगले आदेश दिए जाने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

क्रम संख्या	नाम	तारीख	कार्यालय जिममें नियुक्त किया गया है
1.	श्री पी० सी० जैन	15-7-77 (पूर्वाह्न)	दक्षिण पूर्वी सर्किल कार्यालय भुवनेश्वर।
2.	श्री एल० पी० कुंडलिया	13-7-77 (पूर्वाह्न)	अनुसंधान एवं विकास विंग (श० प्र० एवं मा० उ० के०) हैदराबाद।

दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० गो० 5260/707 —निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गयी तारीखों से अगले आदेश दिए जाने तक अधिकारी सर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग (ग्रुप 'बी०') के पद पर पर 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1. श्री खुमाल सिंह रावत डाफ्टसमैन डिवीजन सेलेक्शन ग्रेड-I	संख्या 1 आरेखण कार्यालय (मा० प्र० निदेशालय) देहरादून	1-7-77 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० एस० गुरखा सर्वेक्षण सहायक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० स०) देहरादून	5-7-77 (पूर्वाह्न)

के० एल० खोसला

मेजर जनरल

भारत के महासर्वेक्षक

नियुक्ति प्राधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० 5/44/68एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री अरुण कुमार तिवारी को आकाशवाणी, रीवा में 29 जून, 1977 से, अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, अस्थायी रूप में, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त, 1977

सं० 5/47/76-एम०-I—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री प्रदीप ज्योति महन्त को आकाशवाणी, गौहाटी में 2 अगस्त, 1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करने हैं ।

सं० 4/19/77-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री दौलत खाराम जिवाने को आकाशवाणी, अम्बिकापुर में 3 अगस्त, 1977 से, अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं ।

सं० 4/71/77-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री मधुकर आर० गुलवानी को आकाशवाणी, सांगली में 3 अगस्त, 1977 (अपराह्न) से, अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं ।

तन्द किशोर भारद्वाज  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 10/80/77-एम०-नीन०—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री ए० एम० समरवाल को, आकाशवाणी, कुमियोग में 12-7-77 (पूर्वाह्न) से, सहायक इंजीनियर के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं ।

हरजीत सिंह  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० 2/42/60-एम०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जे० पी० गुप्ता, मुख्य लिपिक, समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली को, विदेश प्रसारण, सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, 5-8-77 (अपराह्न) से, अगले आदेशों तक, स्थानापन्न रूप से, प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, नियुक्त करते हैं ।

एस० बी० सेपाक्षी  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 5/42/63 निबन्दी—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री बलदेव खोमला अस्थायी सहायक कैमरामैन और स्थानापन्न कैमरामैन को प्रमुख कैमरामैन के पद पर नियुक्त करने से, श्री एम० एस० पटवारी, स्थायी सहायक कैमरामैन

और स्थानापन्न सहायक चित्र अधिकारी, फिल्म प्रभाग, नयी दिल्ली की, दिनांक 8-8-1977 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न कैमरामैन के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई में नियुक्त किया है ।

सं० ए० 12025/ (II) / 1/ 77-निबन्दी-I—श्री व्ही० व्ही० जोगलेकर, स्थायी शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग बम्बई, दिनांक 1-8-1977 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हो गये ।

श्री एल० टि० फर्नांडीस्, स्थायी विक्रेता, वितरण शाखा दफ्तर बम्बई, को दिनांक 1-8-1977 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

दिनांक 19 अगस्त, 1977

सं० अ० 20012/ 8/ 73- निबन्दी-I—श्री पि० डब्ल्यू० बाबकर स्थानापन्न कैमरामैन की छुट्टी खत्म होने के कारण श्री एम० पी० सिन्हा स्थानापन्न कैमरामैन, दिनांक 30-7-77 के अपराह्न सहायक कैमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जाएंगे ।

एम० चन्द्रन नायर  
प्रशासकिय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० ए०-38020/1/77-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के स्थायी सीनियर आर्टिस्ट श्री जे० के० पाठक का 12 जुलाई, 1977 को निधन हुआ ।

आर० देवसर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 9-33/75 के० म० स्वा० यो०-I—डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी ने 13 जुलाई, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई से आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ए० 11017/2/76 के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० बी० एम० हाटा को 15 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

सं० ए० 11017/4/76 के० म० स्वा० यो०-I—होम्योपैथिक चिकित्सक डा० (श्रीमती) आर० डी० टंडन ने 11 जुलाई 1977, अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

सं० ए० 11017/5/76 के० सं० स्वा० यो० I—2-7-77 की अधिसूचना संख्या ए० 11017/5/76 के० सं० स्वा० यो०-I के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० बी० सिंह को 1-7-77 से 31-9-77 तक या जब तक कोई व्यक्ति नियमित आधार पर इस पद पर नियुक्त नहीं हो जाता, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में आयु-वैदिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार नियुक्त किया है।

एन० एस० आटिया  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० 33-15/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी पुष्पादेवी शर्मा को 30 जून, 1977 अपराह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० ए० 12023/24/76- ( के० अनु० सं० ) / प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने महालेखाकार का कार्यालय, चंडीगढ़ के श्री बलबीर सिंह नागपाल, अनुभाग अधिकारी, को 6 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में सहायक लेखा अधिकारी (लागत) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 16 अगस्त, 1977

सं० 33-8/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एन० यू० मनोहर को 27 जून, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में वर्कशॉप मैनेजर (प्रोस्थेटिक) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/41/76 ( एच० क्यू० ) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री हंसराज टी० कंसारा को 30 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

कुमारी लक्ष्मी अभीचन्दानी ने 30 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 35014/2/77 ( के० अनु० सं० ) / प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने, उद्योग मंत्रालय ( औद्योगिक विकास विभाग ), नई दिल्ली के श्री ए० एम० गुप्ता, स्थानापन्न डेस्क आफिसर को 11 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त आधार पर नियुक्त किया है।

श्री के० आर० आहूजा ने 11 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी तारीख से 60 दिन की छुट्टी पर चले गये।

दिनांक 19 अगस्त, 1977

सं० ए० 32014/4/77 ( रा० सं० रो० सं० ) / प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री वाई० डी० मेहता की अवकाश रिक्ति में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम, दिल्ली के श्री एम० एल० वधवा, अधीक्षक को 26 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से 25 अगस्त, 1977 तक 31 दिनों के लिए राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी ( एन० एफ० सी० पी० ) के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिंदल  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

( कृषि विभाग )

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

मि० सं० 12 (11) / 76-स्थापना (I)—कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय, कृषि विभाग की विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री बद्रीनाथ चड्ढा जो इस समय नियमित तौर पर स्थानापन्न उपनिदेशक ( प्रशासन ) के पद पर कार्य कर रहे हैं को सहायक प्रशासन अधिकारी जी० सी० एस० समूह 'बी०' ( राजपत्रित ) ( लिपिक वर्गीय ) के स्थायी पद पर रुपये 650-30-740-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के परिशोधित वेतनमान में विस्तार निदेशालय, कृषि और सिंचाई मंत्रालय ( कृषि विभाग ) में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 अगस्त, 1977

सि० सं० 2-11/76-स्थापना (I)—सहायक प्रदर्शनी अधिकारी ( कोटि प्रथम ) जी० सी० एस० समूह 'बी०' ( राजपत्रित ) ( अलिपिक वर्गीय ) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में श्री पी० सी० चौधरी की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 2 अगस्त, 1977 से नियमित की गई।

सं० 2-6/77-स्थापना (I)—श्री कृष्ण कुमार शर्मा, अधीक्षक ( प्रथम कोटि ) को विस्तार निदेशालय कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय ( कृषि विभाग ) में सहायक प्रशासन अधिकारी ग्रुप 'बी०' ( राजपत्रित ) ( लिपिक वर्गीय ) वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 में दिनांक 11-8-1977 से 28-2-1978 तक या आगे आदेश होने तक जो भी पहले हो, तदर्थरूप में स्थानापन्न पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 20 अगस्त, 1977

मि० सं० 2 (10) / 76-स्थापना (I)—श्री एस० एल० धीर और जी० डी० गुलाटी, अधीक्षक ( कोटि द्वितीय ) को विस्तार निदेशालय, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय ( कृषि विभाग ) में स्थानापन्न अधीक्षक (कोटि प्रथम) समूह 'बी०' ( राजपत्रित )

( लिपिक वर्गीय ) के पद पर रुपये 700-30-760-35-900 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ रूप में तत्काल से 28 फरवरी, 1978 तक पदोन्नत किया गया।

चन्द्र प्रकाश  
निदेशक प्रशासन

मीन हरण बंदरगाहों का निवेशपूर्व सर्वेक्षण  
बंगलौर-560052, दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० एफ० 2-99/77 पि० एक० एच० —श्री पि० गोपाला-  
कृष्णन कार्यालय अधीक्षक, राष्ट्रीय वन साधनों का निवेश पूर्व-  
सर्वेक्षण देहरादून को इस कार्यालय के नियुक्ति जापन क्रमांक  
1-3/77 पि० एफ० एच० दिनांक 11-7-77 के अन्तर्गत निर्धारित  
नियुक्ति शर्तों के अनुसार 16 अगस्त, के पूर्वार्द्ध से आगामी  
आदेशों तक मीन हरण बंदरगाहों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण बंगलौर  
में अस्थायी तौर पर प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया  
जाता है।

एन० पि० भक्ता  
निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग  
विद्युत्त परियोजना इंजीनियरी प्रभाग  
( नरौरा परमाणु बिजली परियोजना )  
मुम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1977

सं० एन० ए० पी० पी० -18/ 106/ 75-प्रशा० / 4774—  
विद्युत्त परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, श्री  
के० दत्ता, वैज्ञानिक अधिकारी / इंजीनियर ग्रेड एस० बी०  
( मिथिल ) को, उनका तबादला भारी पानी परियोजना तलचर  
से होने पर, नरौरा परमाणु बिजली परियोजना, नरौरा में,  
12 जुलाई, 1977 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक, उसी हैसियत  
में नियुक्त करते हैं।

आर० बी० बाजपेई  
सामान्य प्रशासन अधिकारी  
कुते निदेशक, वि० प० ई० प्र०

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास-600006, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० एम० आर० पी० यू०-200 (105) / 77-प्रशा० —  
क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के मद्रास  
क्षेत्रीय क्रय एकक के परिवहन एवं निकासी पक्ष के एक स्था-  
नापन्न भंडारपाल श्री के० उशीकुमार को, उसी एकक में,  
18 जून, 1977 से 1 अगस्त, 1977 तक, स्थानापन्न सहायक  
भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० रंगाचारी  
क्रय अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 13 अगस्त 1977

सं० पी० ए० आर० -0704/ 1951 —मुख्य कार्यपालक  
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री पी० राजगोपालन उच्च श्रेणी  
लिपिक को 17-7-1977 से 31-8-1977 तक या आगामी  
आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ रूप से  
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में सहायक कार्मिक अधि-  
कारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव  
प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत्त परियोजना

कलक्कत-603102, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० एम० ए० पी० पी० -8 (16) / 77-प्रशा० —विद्युत्त  
परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निवेशक भाभा परमाणु अनु-  
संधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न  
सल्लेखन ग्रेड क्लर्क श्री के० आर० बालसुब्रमणियम को, मद्रास  
परमाणु विद्युत्त परियोजना में 20 जून, 1977 के पूर्वार्द्ध से  
23 जुलाई, 1977 के अपराह्न तक श्री एम० डी० राघवन,  
जिनकी छुट्टी मंजूर हो गई है, के स्थान पर, सहायक कार्मिक  
अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जुलाई, 1977

सं० एम० ए० पी० पी० -3 (1211) / 77-प्रशा० —  
विद्युत्त परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, सर्व श्री ए०  
कामेश्वर राव तथा बी० वीरब्रह्मचारी को, क्रमशः 4 जून  
1977 और 6 जून, 1977 के पूर्वार्द्ध से, अगले आदेश तक,  
इस प्रभाग में अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी / इंजीनियर एस०  
बी०, नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन  
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 15 अगस्त 1977

सं० ए० एम० डी० -1 / 24/76-प्रशासन —परमाणु ऊर्जा  
विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, भाभा परमाणु  
अनुसंधान केन्द्र में स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा मद्रास परमाणु  
विद्युत्त परियोजना के ( अस्थायी सल्लेखन ग्रेड क्लर्क ) श्री  
के० आर० बालसुब्रमणियम, को परमाणु खनिज प्रभाग में 3  
अगस्त, 1977 के पूर्वार्द्ध से लेकर आगामी आदेश जारी होने  
तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते  
हैं।

एम० रंगनाथन,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 24 जून 1977

सं० टी० ए० पी० एस० 1/34(1)/77 आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०' श्री जे० डी० संतलानी को, उसी बिजलीघर में 1 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से, अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

डी० वी० मारकाले  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० ई० (1) 00910—वेधशालाओं के महानिदेशक, डा० डी० के० त्यागी को पहली अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारत मौसम सेवा ग्रुप बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

डा० त्यागी को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में तैनात किया गया है।

सं० ई० (1) 04321—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री के० एस० बी० राजगोपालन को 4-8-77 के पूर्वाह्न से 31-10-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05539—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री जे० यू० हिगोरानी को 18-7-77 के पूर्वाह्न से 5-9-77 तक पचास दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री हिगोरानी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एम० जी० कुन्दा को 4-8-77 के पूर्वाह्न से 31-10-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुन्दा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06273—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक, डा० आनंद प्रकाश को 4-8-77 के पूर्वाह्न से 31-10-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० आनंद प्रकाश, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन

मौसम विज्ञानी

कुतेवेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० ए० 38012/3/77 ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री आई० एस० भटनागर, उपनिदेशक (परीक्षा) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1977 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

विश्वविनोद जोहरी

सहायक निदेशक प्रशासन

कुते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० ए० 12025/7/75-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री राजीव कपूर को 18 जुलाई, 1977 से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० ए० 32013/13/76-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री टी० के० नायर को 4 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें कलकत्ता में तैनात किया है।

बि० बि० जोहरी

सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1977

सं. ए० 32013/4/76 ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 6 मास की अवधि तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एम० के० पाल सहायक तकनीकी अधिकारी	बै० सं० स्टेशन कलकत्ता	बै० सं० स्टेशन कलकत्ता	9-4-76 (पूर्वाह्न)
2.	श्री ए० एन० श्रीवास्तव सहायक तकनीकी अधिकारी	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	7-4-76 (पूर्वाह्न)

दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० ए० 38012/4/76-ई० ए०—श्री जे० एन० मोसेज, महामक विमानक्षेत्र अधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1977 (अपराह्न) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 32013/6/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 28-10-77 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख	नया तैनाती स्टेशन	तदर्थ पदोन्नति की अवधि
1.	श्री ए० जी० नरसिंघम	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	30-4-77 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	28-10-77
2.	श्री ए० जगदेशन	बै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	5-5-77 (पूर्वाह्न)	बै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	28-10-77
3.	श्री एम० एम० पौलोज	बै० सं० स्टेशन कलकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता	1-5-77 (पूर्वाह्न)	बै० सं० स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता	28-10-77
4.	श्री के० सुरेन्द्र	बै० सं० स्टेशन बम्बई	30-5-77 (पूर्वाह्न)	बै० सं० स्टेशन, बम्बई	28-10-77

(एतद्वारा इस विभाग की 7/8 जून, 1977 और 27-6-1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/77-ई० सी० रद्द की जाती है)।

पी० सी० जैन,  
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

वेहराडून, दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० 16/245/75-स्थापना-1 —महाराष्ट्र वन सेवा से दिया त्यागपत्र दिनांक 1-9-1976 में स्वीकृत होने के परिणाम-स्वरूप, श्री एम० एल० अरोड़ा, सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय, कुसियोग की सेवाएं दिनांक 31-8-1976 के अपराह्न से राज्य सरकार को सौंपी समझी गई ।

पी० आर० के० भटनागर  
कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 20 अगस्त 1977

पत्रांक 11-(7) 1-स्था० / 77/ 10036 —केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नांकित अधीक्षक

ग्रुप 'बी०' सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने के बाद उनके नामों के सामने दिखाए गए तिथि एवं समय से इस विभाग की सेवा से सेवा निवृत्त हुए ।

क्रमांक	नाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
सर्वश्री		
1. के० डी० राय	30-6-77	(अपराह्न)
2. रामानन्द प्रसाद	30-6-77	(अपराह्न)
3. डी० एन० गांगुली	31-7-77	(अपराह्न)
4. दिगम्बर सिंह	31-7-77	(अपराह्न)

हरिनारायण साहू

समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के समाहर्ता का कार्यालय

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग

गुन्टर, दिनांक 14 जुलाई 1977

सं० 1/77—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय गुन्टर, के निम्नलिखित स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षकों को, अगला आदेश जारी होने तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने नाम के सामने दिखायी गयी तारीखों से, तथा स्थानों पर स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/प्रशासन अधिकारी श्रेणी-II के पदों का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम/पद	स्टेशन	सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री एम० एस० शास्त्री, सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, श्रेणी-II	मुख्य कार्यालय, गुन्टर	3-1-77
2.	श्री जी० सुदर्शन राव, प्रशासनिक अधिकारी	आई० डी० ओ०-II गुन्टर ।	24-1-77
3.	श्री के० दासरादुद्द प्रशासनिक अधिकारी	आई० डी० ओ०-II विशाखापटनम	1-2-77

सं० 2/77—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ स्थायी, निरीक्षकों को अगला आदेश जारी किए जाने तक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय गुन्टर, में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अधीक्षक श्रेणी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया



है। उन्होंने अपने-2 नाम के सामने दिखाई गयी तिथियों से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षक श्रेणी-II के रूप में उक्त पद का कार्य-भार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थान	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक श्रेणी-II के रूप में कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	मुहमद करीमुद्दीन	एम० ओ० आर०-III, गुन्डूर	31-12-76
2.	शायक हुसैन	आई० डी० ओ०, विजयवाड़ा	12-1-77
3.	एस० के० कनकाचरिलु	आई० डी० ओ०-II, राजमुन्दरी	8-2-77
4.	जी० अन्जनेयुलु	आई० डी० ओ०, अंगोले	21-1-77
5.	सी० श्रीकृष्णामूर्ति	आई० डी० ओ०, गुन्डूर	22-1-77
6.	एम० पंचमुलेश्वर शर्मा	रूरल एम० ओ० आर०, ईलूरु	21-3-77
7.	खुला सत्यनारायण	आई० डी० ओ०-II, विशाखापटनम	11-5-77
8.	बी० बी० मारथनडराव	आई० डी० ओ०, अंगोले	5-5-77
9.	एस० विजयरामाराव	,, विजयवाड़ा	9-5-77
10.	पी० जोगा राव	एम० ओ० आर०, नारसरायपेट	9-5-77
11.	टी० सुर्यराव	आई० डी० ओ०-I, विशाखापटनम	2-5-77
12.	एम० रामाकृष्ण	,, राजामुन्दरी	12-5-77
13.	पी० एल० अब्राहम	एम० ओ० आर०, रविन्थला	4-6-77
14.	आर० सूर्यप्रकाशराव	एम० ओ० आर०, मंगलागिरी	30-4-77
15.	आर० बी० सुब्बाराव	एम० ओ० आर०-I, विजयवाड़ा	12-5-77
16.	जे० श्रीनिवास राव	एम० ओ० आर० कन्टुपुरा	8-6-77
17.	चौधरी अहरि राव	आई० डी० ओ०-II, गुन्डूर	6-6-77

सं० 3/77—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तार गुन्डूर के निम्नलिखित अधीक्षक वार्धक्य के कारण अपने नाम के सामने दिखाई गयी तिथियों से सेवा निवृत्त हो गये।

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम	स्थायी/स्थानापन्न	स्थान	सेवा से निवृत्त होने की तिथि
सर्वश्री				
1.	सी० के० बाषा	स्थायी	एम० ओ० आर०, कोथापटा	28-2-77 (पूर्वाह्न)
2.	सी० नारायण राव	,,	आई० डी० ओ०, अंगोले	31-3-77 (पूर्वाह्न)
3.	आर० एम० वेनकरनाराव	स्थानापन्न	मुख्य कार्यालय, गुन्डूर	31-5-77 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
4. सी० कमल सिंह	स्थायी	एम० ओ० आर०, कानची कचराला	30-6-77 (पूर्वाह्न)
5. एम० ए० समाद	स्थायी	एम० ओ० आर०-I, गुन्टूर	30-6-77 को सेवा निवृत्ति से पहले की 22-4-77 (पूर्वाह्न) को छुट्टी (एल० पी० आर०) पर चले गये।

\*31-5-77 (पूर्वाह्न) को सेवा निवृत्त होने से पहले 10-5-77 की छुट्टी (एल० पी० आर०) पर चले गये।

सं० 4/77—गुन्टूर स्थित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय में नैनात केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के ग्रुप 'ख' के अधीक्षकों का उनके नाम के सामने दिखाई गयी तिथि को निधन हो गया।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थायी/ स्थानापन्न	स्टेशन	निधन की तिथि
1.	श्री पी० पोलया	स्थायी	ग्राम्य एम० ओ० आर०, ऐलूरु।	2-3-77
2.	श्री एम० एम० रमन	स्थानापन्न	आई० डी० ओ०, गुन्टूर।	4-4-77

सी० भुजंगस्वामी,  
समाहर्ता

नागपुर-4001, दिनांक 12 अगस्त 1977

क्रमांक 32—मध्य प्रदेश एवं विदर्भ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहर्तलिय नागपुर की मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय इन्दौर तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय नागपुर ऐसे दो विभिन्न समाहर्तलियों में अलग विभागणी होने पर तथा म० प्र० केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय का मुख्यालय इन्दौर में दिनांक 21-7-77 से स्थापित होने पर निम्नलिखित श्रेणी "क" अधिकारियों ने स्थानान्तरण होने पर उनके नाम के सामने दर्शाए तिथि पर, नागपुर समाहर्तलिय में अपने नए पद के कार्यभार ग्रहण किए हैं।

अ० नं०	अधिकारी का नाम पिछली तैनात सहित	अभी की तैनाती	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4
1.	दिगम्बर प्रसाद माथुर, सहायक समाहर्ता (मुख्या०) के० उ० शु० म० प्र० एवं विदर्भ नागपुर	सहायक समाहर्ता (मुख्या०) के० उ० शु० समाहर्तलिय नागपुर	11-7-77 के अपराह्न में
2.	के० एस० राव, सहा० समा० (तकनीकी) के० उ० शु० समाहर्तलिय, म० प्र० एवं विदर्भ नागपुर	सहा० समा० (तकनीकी) (मूल्यांकन) (निवारक) (लेखा) के० उ० शु० समाहर्तलिय नागपुर	11-7-77 के अपराह्न में
3.	ना० सी० दीक्षित, सहा० समा० (छुट्टी आरक्षित) के० उ० शु० समाहर्तलिय, म० प्र० एवं विदर्भ, नागपुर।	सहा० समा० छुट्टी आरक्षित के० उ० शु० समाहर्तलिय, नागपुर	11-7-77 के अपराह्न में
4.	आर० एस० बेरार, मुख्य लेखा अधिकारी, के० उ० शु० समाहर्तलिय म० प्र० एवं विदर्भ नागपुर	1. मुख्य लेखा अधिकारी (राजस्व) के० उ० शु० समाहर्तलिय, नागपुर  2. मुख्य लेखा अधिकारी (राजस्व) के० उ० शु० समाहर्तलिय, म० प्र० (उपरोक्त कार्यभार के अतिरिक्त)	11-7-77 के अपराह्न में

दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० 27—श्री एस० एस० खान (प्रवरण श्रेणी) निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर, दिनांक 27-6-1977 के पूर्वाह्न से अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बहुपदीय अधिकारी रैंज-1 जबलपुर का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 28—इस समाहर्ताक्षेत्र के अधीक्षक श्रेणी "ख" श्री आर० के० सोनी की अधीक्षक श्रेणी "क" के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने 1-4-1977 के पूर्वाह्न से अधीक्षक तकनीकी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "क" का खालिधर प्रभास में कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 29—इस समाहर्ताक्षेत्र के अधीक्षक श्रेणी 'ख' श्री ए० के० खान को, जिन्होंने 55 साल की आयु प्राप्त कर ली है, मूल नियम 56/(i)/(ii) के अनुसार दिनांक 22-6-77 के अपराह्न से सरकारी सेवा से मुक्त कर दिया गया है।

सं० 30—श्री एल० एल० मालवीया, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-77 के अपराह्न से सेवा निवृत्त कर दिये गए हैं।

दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० 33—मध्य प्रदेश एवं विदर्भ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, नागपुर की मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, इन्दौर तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, नागपुर ऐसे दो विभिन्न समाहर्तालय में आलग विभागणी होने पर तथा म० प्र० के० उ० शु० समाहर्तालय का मुख्यालय दिनांक 21-7-77 से इन्दौर में स्थापित होने पर निम्नलिखित अधिकारी के० उ० शु० श्रेणी "ख" ने उनकी स्थानांतरण पर उनके नाम के सामने दर्शाए तिथि पर नागपुर के० उ० शु० समाहर्तालय में कार्यभार ग्रहण कर लिए।

अ० पिछली तैनाती सहित अभी की तैनात कार्यभार  
क्र० अधिकारी का नाम ग्रहण करने की तिथि

1	2	3	4
---	---	---	---

सर्वश्री

- |   |                         |
|---|-------------------------|
| 1. वी० एम० भोजराज, सहायक मुख्य लेखा सहायक मुख्य लेखा अधिकारी म० प्र० एवं विदर्भ के० उ० शु० समाहर्तालय नागपुर। | 11-7-77 के अपराह्न में। |
| 2. के० वी० भोस्वणी, प्रशासनिक अधिकारी मुख्यालय, के० उ० शु० समाहर्तालय नागपुर।                                 | 11-7-77 के अपराह्न में। |

दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 31—मध्य प्रदेश एवं विदर्भ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, नागपुर की मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, इन्दौर तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय नागपुर ऐसे दो विभिन्न समाहर्तालयों में अलग विभागणी होने पर तथा मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय का मुख्यालय दिनांक 21-7-77 से इन्दौर में स्थापित होने पर निम्नलिखित अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' उनकी स्थानांतरण पर नागपुर समाहर्तालय में उनके नाम के सामने दर्शाए तिथि पर कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं।

अ० क्र०	अधिकारी का नाम	तैनात	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4

सर्वश्री

- |   |   |                         |
|---|---|-------------------------|
| 1. एम० बी० लातुरकर अधीक्षक के० उ० शु० म० प्र० एवं विदर्भ समाहर्तालय, के० उ० शु० नागपुर।                       | अधीक्षक/सांख्यिकी के० उ० शु० /मुख्यालय/ नागपुर।                       | 11-7-77 के अपराह्न में। |
| 2. के० ई० संजाना, अधीक्षक (निवारक) म० प्र० एवं विदर्भ के० उ० शु० समाहर्तालय नागपुर।                           | अधीक्षक (निवारक) के० उ० शु० मुख्यालय नागपुर।                          | 11-7-77 के अपराह्न में। |
| 3. एम० ए० एच० खान, अधीक्षक (निवारक) म० प्र० एवं विदर्भ के० उ० शु० समाहर्तालय नागपुर।                          | "   | 11-7-77 के अपराह्न में। |
| 4. एम० एम० घाणेकर, अधीक्षक (मूल्यांकन) म० प्र० एवं विदर्भ के० उ० शु० समाहर्तालय नागपुर।                       | अधीक्षक (सतर्कता) तथा (संगठन एवं प्रबंधन) के० उ० शु० मुख्यालय नागपुर। | 11-7-77 के अपराह्न में। |
| 5. डब्ल्यू० एम० देशपांडे अधीक्षक मुख्या० म० प्र० एवं विदर्भ के० उ० शु० समाहर्तालय नागपुर।                     | लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर।                 | 11-7-77 के अपराह्न में। |
| 6. एम० आर० मिलेंकर, अधीक्षक (संगठन एवं प्रबंधन) म० प्र० एवं विदर्भ समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर। | अधीक्षक /निवारक/के० उ० शु० प्रभाग-II नागपुर।                          | 11-7-77 के अपराह्न में। |

1	2	3	4
सर्वश्री			
7. एस० एस० जोशी	अधीक्षक/ मूल्यांकन/	11-7-77	
अधीक्षक (मूल्यांकन)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	के अपराह्न	
म० प्र० एवं विदर्भ	मुख्यालय, नागपुर।	में।	
समाहर्तलय, केन्द्रीय			
उत्पाद शुल्क नागपुर			
8. एम० ए० कावरे,	अधीक्षक (विधि)	11-7-77	
अधीक्षक (मूल्यांकन)	(स्वर्ण) के० उ० शु०	के अपराह्न	
म० प्र० एवं विदर्भ	मुख्यालय, नागपुर।	में।	
समाहर्तलय के० उ०			
शु० नागपुर।			
9. ए० बी० कुलकर्णी	अधीक्षक (निवारक)	12-7-77	
अधीक्षक (निवारक)	के० उ० शु० मुख्यालय	के पूर्वाह्न	
म० प्र० एवं विदर्भ	नागपुर।	में।	
समाहर्तलय, के० उ०			
शु० नागपुर।			

मनजीत सिंह बिन्ना, समाहर्त

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 अगस्त 1977

सं० 7/77—श्री बी० बी० शर्मा ने जो हाल में प्रवर्तन निदेशालय, दिल्ली में सहायक निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्त थे, वहां से वापस आने के बाद निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) नयी दिल्ली में दिनांक 1-8-77 के पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) श्रेणी 'क' का कार्यभार सम्भाल लिया।

एस० बैकटारामन

निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० क-19012/625/76-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद् द्वारा श्री आर० के० प्रधान, पर्यवेक्षक (विद्युत्) को सिविक सरकार के अन्तर्गत सहायक अभियंता (विद्युत्) के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 13-4-76 के पूर्वाह्न से 12-4-1978 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री आर० के० प्रधान ने सहायक अभियंता के पद का कार्यभार लग्याप इलेक्ट्रिकल उप-प्रभाग सं० दो रानीपुल (सिक्किम) में 13-4-76 से सभाल लिया है।

जे० के० साहा, अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० क-32014/1/77-प्रशासन-5—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-बी) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पदक्रम में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 3 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

क्रम      अधिकारी का नाम  
सं०

1. श्री पी० एस० अरविन्दाकशन
2. श्री एस० सी० तालुकदार
3. श्री रतन सिंह

2. उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में उपरोक्त तथि से दो वर्ष की अवधि तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पदक्रम में परीवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा  
अवर सचिव,  
केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० 27-स का इंजी०/एन० (1)/75-ई० सी०-II—राष्ट्रपति श्री जी० नेल्सन राज अस्थायी सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्), जो विद्युत् मंडल सं०-3, के०लो०नि० वि०, नई दिल्ली से सम्बद्ध है, का जून, 1977 में प्रस्तुत किया गया त्याग पत्र 21-7-77 (अपराह्न) से मंजूर करते हैं।

2. उस तारीख से श्री नेल्सन राज का इस विभाग से किसी प्रकार का संबंध नहीं है।

दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० 23/2/77-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वाधन्व की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके प्रत्येक के आगे दिखाई गई तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

नाम	जन्म तिथि	सेवानिवृत्ति की तारीख	वर्तमान पदनाम
1. श्री बी० एम० गुप्त . . . . .	1-6-1919	31-5-77	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), अधी० नि० म० (खाद्य) का कार्यालय नई दिल्ली।
2. श्री टी० सी० अग्रवाल . . . . .	1-6-1919	31-5-77	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), आल इंडिया मेडिकल इंटीट्यूट नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर।
3. श्री के० के० गुप्त . . . . .	15-6-1919	30-6-77	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), आयकर विभाग, जमशेदपुर में।
4. श्री पी० एन० राव . . . . .	15-6-1919	30-6-77	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) आयकर विभाग एकक नं० 3, नई दिल्ली।
5. श्री पी० एस० केहलो . . . . .	13-7-1919	31-7-77	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), 'एच' मंडल, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।

सु० सू० प्रकाश राव, प्रशासन उपनिदेशक  
कृते प्रमुख इंजीनियर

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

मैसर्स जोईन्ट फाईनेंसर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० क० सांख्यिकी/लिक्वी/2493/14659—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 10-9-71 के आदेश से मैसर्स जोईन्ट फाईनेंसर्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आदेशित हुआ है।

आर० के० अरोड़ा,  
सहायक कंपनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स शिवानन्द गार्डन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, बांसखो हाऊस, आमेर रोड, जयपुर के संबंध में

जयपुर, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1366—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स शिवानन्द गार्डन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्ट्रार से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

राम दयाल कुरील  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और गढ़वाल रोसिन प्रा० लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 7515/2071-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गढ़वाल रोसिन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जन कल्याण ट्रेडिंग एण्ड क्रेडिट फाईनेंस कम्पनी प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 7516/3187-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जन कल्याण ट्रेडिंग फाईनेंस कम्पनी प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स स्वान चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 7517/2880-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्वान

कातपुर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 7547-ए०/2987-एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर डून चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी०, पी वी सी  
इंडस्ट्रीज प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 7547-बी०/3302-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर यू० पी० पी० वी सी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० इम्पोर्ट्स एण्ड  
इक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० 7571/1447-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन माह के अवसान पर यू० पी० इम्पोर्ट्स एण्ड इक्स्पॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण न दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और थडानी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० 7572/2778-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतत् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि थडानी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इन्द्रा केमिकल एन्ड मेटल इंडस्ट्रीज, प्रा० लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1977

सं० 7573/3271-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन्डा केमिकल एण्ड मेटल इंडस्ट्रीज, प्रा०

लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और शिवालाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० 7607/1113-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर शिवालाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण न दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स डालमिया चिट फण्ड एण्ड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 20 अगस्त 1977

सं० 7608/3163-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर डालमिया चिट फण्ड एण्ड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन्  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,  
(उ० प्र०), कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० रायगढ़ इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

खालियर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 899/पी० एस०/2400—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रायगढ़ इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० मध्य प्रदेश पेपर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

खालियर, दिनांक 18 अगस्त 1977

सं० 898/पी० एस०-2402—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मध्य प्रदेश पेपर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जसराम बोहरा,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
(म० प्र०), खालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना मैसर्स श्री भारत हेन्ड वीविंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद-380009, दिनांक

सं० 1729/लीकवीडेशन—कम्पनी अर्जी नं० 9/1976 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 21-6-1976 के आदेश द्वारा मैसर्स श्री भारत हेन्ड वीविंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात,  
अहमदाबाद

आयकर आयुक्त का कार्यालय

(II), मध्य प्रदेश, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1977

(आयकर)

सं० 6/आ० क०/म० प्र० II-77—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पिछले जारी किये गये सभी आदेशों के अधिक्रमण में, आयकर आयुक्त, म० प्र०-II भोपाल, एतद्वारा निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 3 में दिखाये गये आयकर अधिकारी, अनुसूची के कालम 4 में बताये गये उनके क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्रों, व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के वर्गों, आय अथवा आय के वर्गों और/अथवा मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में आयकर अधिनियम के अन्तर्गत आयकर अधिकारी सभी शक्तियों का प्रयोग करेंगे,

इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो कि आयकर अधिनियम 1922 की धारा 5(7ए) अथवा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अधीन किसी अन्य आयकर अधिकारी से विशेष रूप से स्थानान्तरित कर दिये गये हैं :—

## अनुसूची

क्रम सं०	सर्किल का नाम	आयकर अधिकारी का पदनाम	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
1.	रायगढ़ सर्किल	आयकर, अधिकारी, ए-वार्ड, रायगढ़	<p>(1) रायगढ़ सरगूजा में तैनात सभी शासकीय सेवक जो महालेखाकार मध्यप्रदेश के ऑडिट नियंत्रण के अधीन हैं।</p> <p>(2) निम्नलिखित को छोड़कर</p> <p>(क) लिमिटेड कंपनियां, उनके निदेशक, प्रबंधक, प्रमुख अधिकारी, सचिव तथा कोषाध्यक्ष।</p> <p>(ख) रिफंडीज जो रायगढ़ और सरगूजा जिलों में आते हैं—</p> <p>(i) जिनकी 1/4/77 के पहले आयकर अधिकारी द्वारा निर्धारित की गई अन्तिम निर्धारण आय 25,000/से अधिक है।</p> <p>(ii) जहां 1/4/77 तक कोई कर निर्धारण नहीं किया गया है परन्तु 31/3/1977 के पहले रिटर्न दाखिल किया गया है, और ऐसे रिटर्न के अनुसार कुल आय 25,000/- से अधिक है।</p> <p>(iii) जहां 31/3/1977 तक कोई कर निर्धारण नहीं किया गया है और 1/4/77 के पहले कोई रिटर्न फाइल नहीं किया गया है, जहां पहला रिटर्न 31/3/1977 के बाद फाइल किया गया हो और उसमें 25,000/- रु० से अधिक की आय की घोषणा की गई हो।</p> <p>(3) वे सभी मामले जो आयकर अधिनियम 1922 की धारा 5(7ए) और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अधीन विशेष रूप से सौंपे गये हों।</p>
2.	रायगढ़ सर्किल	आयकर अधिकारी 'बी-वार्ड', रायगढ़	<p>(1) सभी प्राइवेट वेतनभोगी और रायगढ़ और सरगूजा के रिफंडीज।</p> <p>(2) निम्नलिखित को छोड़कर सभी व्यक्ति:—</p> <p>(क) लिमिटेड कंपनियां और उनके निदेशक, प्रबन्ध अधिकारी, प्रबंधक, प्रमुख अधिकारी, सचिव और कोषाध्यक्ष।</p>



1	2	3	4
			(ख) शासकीय सेवक:— रायगढ़ और सरगुजा जिलों में आने वाले:—
			(i) जिनकी 1/4/77 के पहले आयकर अधिकारी द्वारा निर्धारित की गई अन्तिम निर्धारण आय 25,000/- रु० से कम है। अथवा
			(ii) जहां 31/3/77 तक कोई कर निर्धारण नहीं हुआ है, परन्तु 1/4/77 के पहले रिटर्न प्रस्तुत किया है, जिसके अनुसार कुल आय 25,000/- रु० से अधिक नहीं है। अथवा
			(iii) जहां 31/3/77 तक कोई कर निर्धारण नहीं किया गया है और 1/4/77 के पहले कोई रिटर्न फाइल नहीं किया गया जहां 31/3/77 के बाद पहला रिटर्न फाइल किया गया हो जिसमें कुल आय 25,000/- रु० से अधिक की घोषणा की गई हो।
		(3)	आयकर अधिनियम 1922 की धारा 5 (7ए)/ आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अधीन विशेष रूप रूप से सौंपे गये मामले।

इस अधिमूचना के प्रयोजन के लिए:—

1. प्राइवेट वेतनभोगी से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के अलावा किसी और व्यक्ति के यहां नौकरी करता है तथा जो किसी व्यापार, धंधा अथवा उद्यम में नहीं लगा हुआ है।
2. रिफेंडीज से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है, जो वेतनभोगी नहीं है, किसी व्यापार, धंधे अथवा उद्यम में नहीं लगा हुआ है तथा रिटर्न के अनुसार जिसकी आय देय कर योग्य आय, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन न्यूनतम राशि से अधिक नहीं होती।
3. जहां 31/3/1977 के पश्चात् दो या दो से अधिक रिटर्न एक साथ दाखिल किये जाते हैं ऐसे मामलों में उस रिटर्न को पहले फाइल किया माना जायेगा जिसमें कि अधिकतम आय घोषित की गई हो।
3. किसी फर्म के मामले पर क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर अधिकारी, उस फर्म के सभी भागीदारों पर भी क्षेत्राधिकार रखेंगे जिसमें आय सीमा अथवा क्षेत्र का कोई भेद नहीं होगा और जहां इस प्रकार का भागीदार अथवा इस प्रकार के भागीदार एक से अधिक फर्म में भागीदार हैं/हैं, था/ये, जिनका क्षेत्राधिकार विभिन्न आयकर अधिकारियों के पास है, तो जिस आयकर अधिकारी का नाम फर्म के मामले में क्षेत्राधिकार रखने से संबंधित अधिमूचना में पहले आता है, वह ऐसे सभी भागीदारों के मामलों में क्षेत्राधिकार रखेगा तथा जहां किसी कर निर्धारित की विभिन्न सर्किल में कर निर्धारण किया जाता है तथा वह एक से अधिक फर्म में भागीदार है, तो ऐसे मामलों में वह आयकर अधिकारी जिसके क्षेत्राधिकार में इस प्रकार के कर

निर्धारित रहते हैं, इस प्रकार के कर निर्धारितियों पर क्षेत्राधिकार रखेगा। इस उद्देश्य के लिये, आयकर अधिकारी का अर्थ वह आयकर अधिकारी होगा जिसका नाम किसी विधेय सर्किल के लिए धारा 124 के अन्तर्गत क्षेत्राधिकार अधिसूचना में पहले आता है।

5. जहां यह विश्वास करने का कारण है कि किसी करदाता की कुल आय 25,000/- रु० से अधिक है, तो आयकर अधिकारी 'ए'-वार्ड', रायगढ़ और जहां यह विश्वास करने का कारण है कि किसी करदाता की कुल आय 25,000/- रु० से कम है तो आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, रायगढ़ धारा 139(2)/147/148/133 और 133-ए के अन्तर्गत शक्तियों का प्रयोग करेंगे। यह अधिसूचना 1 जून, 1977 से लागू होगी।

जी० एम० बमंती, आयकर आयुक्त, म० प्र०-1

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1977

विषय :—स्थापना-राजपत्रित आयकर अधिकारियों की तैनाती व स्थानांतरण।

सं० ई० 1/तैनाती-स्थानांतरण/आय० अधि०/77-78/खंड-2/आदेश सं०: 60/रा० अ०/1977-78—निम्नलिखित निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-680-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रेणी-2) के पद पर काम करने के लिये, उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है। वे उन अधिकारियों को कार्यमुक्त करेंगे जिनके स्थान पर उनकी तैनाती की गई है :—

सर्वश्री (1) आर० के० गर्ग, (2) पी० एन० हीरानंदानी।

2. ये पदोन्नतियां (1) बिना सूचना के अधिकारी के गायब रहने (2) अधिकारी के निलंबित होने के कारण हुई रिक्तियों के लिये की जा रही हैं।

यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि संबंधित अधिकारी लंबी गैरहाजिरी या बहाली के बाद ड्यूटी पर वापस आ जाते हैं तो पदोन्नत अधिकारी को, यदि उस समय कोई और नियमित रिक्ति न हुई तो निरीक्षक के पद पर पुनः वापिस लौटना होगा।

श्री सुरजीत सिंह और श्री वी० पी० ओझा को, जिन्हें पहले इन रिक्तियों के लिये पदोन्नत किया गया था, अब दो आयकर अधिकारियों का आयकर अधिकारी (निरीक्षण) के पद पर स्थानांतरण हो जाने के कारण स्पष्ट रूप से खाली होने वाले दो पदों पर तैनात किया जाता है।

इन पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के लिये आदेश दिए जाते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानांतरण के बाद तैनाती	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	आर० के० गर्ग	पदोन्नति होने पर	आयकर अधिकारी पी० एम० सी०-6	श्री एम० पी० राणा के स्थान पर।
2.	एम० पी० राणा	आयकर अधिकारी पी० एम० सी०-6	आयकर अधिकारी डि०-2 (16)	श्री डी० पी० खेरा के स्थान पर।
3.	डी० पी० खेरा	आयकर अधिकारी डि०-2 (16)	आयकर अधिकारी-206 (एडि०-3 सेलरी सर्किल)	श्री वी० एन० जैन के स्थान पर।
4.	बी० एन० जैन	आयकर अधिकारी 206 (एडि०-3 सेलरी सर्किल)	उनकी सेवायें सी० आई० टी०-5 के अधीन सौंपी जाती हैं।	---
5.	पी० एन० हीरानंदानी	पदोन्नत होने पर	जन संपर्क अधिकारी	श्री जे० आर० पुनिया के स्थान पर।
6.	जे० आर० पुनिया	जन संपर्क अधिकारी	आयकर अधिकारी सी० ए० सर्किल	कु० रूपिन्दर चावला के स्थान पर।

1	2	3	4	5
सर्व श्री				
7. कु० रुपिन्दर चावला	आयकर अधिकारी सी० ए० सक्रिय	आयकर अधिकारी 5 (1) व 5 (10)	श्री एम० एल० ठुकराल को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए ।	
8. एस० एस० पुष्करणा	आयकर अधिकारी (एम० एण्ड पी०)	आयकर अधिकारी डाक्टर सक्रिय-1	कुमारी संतोष शर्मा के स्थान पर ।	
9. कु० संतोष शर्मा	आयकर अधिकारी डाक्टर सक्रिय-1	आयकर अधिकारी डि०-3 (18)	श्री एन० के० शर्मा को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए ।	
10. एम० एम० सेठी	आयकर अधिकारी कंपनी सक्रिय-20	आयकर अधिकारी डि०-3 (11)	श्री कुलदीप सिंह के स्थान पर ।	
11. कुलदीप सिंह	आयकर अधिकारी डि०-3 (11)	आयकर अधिकारी (एम० एण्ड पी०)	श्री एम० एस० पुष्करणा के स्थान पर ।	

श्री डी० के० गुप्ता, आय० अधि० कंपनी सक्रिय-13 अपने कार्यभार के अलावा आयकर अधिकारी, कंपनी सक्रिय-20 का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे ।

जहाँ तक श्री एम० एम० सेठी, आय० अधि० कंपनी सक्रिय-20 की तैनाती का संबंध है, ये आदेश इस कार्यालय के दिनांक 16 जुलाई, 1977 के आदेश सं० ई०-1/ते०-स्था०/आय० अधि०/77-78/खंड-2/12248 का अधिक्रमण करते हुए जारी किये जाते हैं।

जगदीश चन्द  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1977

विषय :—स्थापना-राजपत्रित पदोन्नतियां आयकर अधिकारियों की तैनाती व स्थानांतरण ।

सं० ई० 1/ते०-स्था०/आय० अधि०/77-78/वाल्जूम-2/13876—आदेश सं० : 61/ए० अ०/1972-78 निम्नलिखित निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रे०-2) के पद पर काम करने के लिये उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है । वे उन अधिकारियों को कार्यमुक्त करेंगे जिनके स्थान पर उनकी तैनाती की गई है :—

सर्वश्री

1. शीला कालरा (श्रीमती)
2. पी० पी० भटनागर (2)
3. एन० एन० चौपड़ा
4. डी० एस० सालन

2. ये पदोन्नतियां (1) दो स्पष्ट रिक्तियों (2) बिना सूचना के अधिकारी के गायब रहने (3) अधिकारी के निलंबित होने के कारण हुई रिक्तियों के लिये की जा रही है ।

यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि संबंधित अधिकारी लंबी गैरहाजरी या बहाली के बाद ड्यूटी पर वापस आ जाते हैं तो अंतिम दो पदोन्नत अधिकारियों को, यदि उस समय कोई और नियमित रिक्ति न हुई तो निरीक्षक के पद पर पुनः वापिस लौटना होगा ।

सर्वश्री आर० के० अर्ग तथा पी० एन० होरानंदानी को, जिन्हें पहले इन रिक्तियों के लिये पदोन्नत किया गया था, अब स्पष्ट रूप से रिक्त दो पदों पर तैनात किया जाता है ।

इन पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के लिये आदेश दिए जाते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानांतरण के बाद तैनाती	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	विमल वशिष्ठ (श्रीमती)	आयकर अधिकारी डि०-8 (4)	आयकर अधिकारी कंपनी सर्किल-15	श्री पी० एल० राजपाल का सहायक निरीक्षण निदेशक के पद पर स्थानांतरण हो जाने पर उनके स्थान पर।
2.	शीला कालरा (श्रीमती)	पदोन्नत	उनकी सेवायें आयकर आयुक्त-3 को सौंपी जाती हैं।	
3.	सुनीता गंडा (कुमारी)	आयकर अधिकारी 10 (11)	आयकर अधिकारी कंपनी सर्किल-12	श्री एस० के० भारद्वाज के स्थान पर।
4.	एम० एन० चोपड़ा	पदोन्नत	उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त-3 को सौंपी जाती हैं।	
5.	अचल सिंह	आयकर अधिकारी स्पेशल सर्किल-8	आयकर अधिकारी कंपनी सर्किल-16	श्री ए० आर० मल्होत्रा का सहायक निरीक्षण निदेशक के पद पर स्थानांतरण होने पर, उनके स्थान पर।
6.	डी० एस० सावन	पदोन्नत	उनकी सेवायें आयकर आयुक्त-5 को सौंपी जाती हैं।	
7.	पी० पी० भटनागर (2)	पदोन्नत	उनकी सेवायें आयकर आयुक्त-2 को सौंपी जाती हैं।	

के० एन० बुटानी  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1977

आयकर

सं० जुरि/दिल्ली/5/77-78/21408—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा 1 और 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-2(5) का आयकर अधिकारी डि०-2(14) और 2(16) के साथ उनके द्वारा कर-निर्धारित/कर निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध / समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा किन्तु इनमें धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए निरीक्षीय सहायक आयुक्त रेंज 5-ए को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अवैधित आदेश पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 16-8-1977 से लागू होगी।

सं० एफ० जुरि/दिल्ली/5/77-78/21298—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 2-8-77 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाया जायेगा।

डिस्ट्रिक्ट-1(3) और 1(4) नई दिल्ली।

सं० जुरि-दिल्ली/77-78/21308—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में बताए गए डिस्ट्रिक्ट/सर्किल के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-5-डी, नई दिल्ली	(1) डि०-2 (3), 2 (9), 2(10), 2(11) अतिरिक्त तथा 2(15) नई दिल्ली। (2) डि०-1(1), 1(2), 1(2) अतिरिक्त, 1(3) तथा 1(4)। (3) डाक्टर सर्किल-1 तथा 2, नई दिल्ली। (4) डि०-4(4), नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 2-8-77 से लागू होगी।

के० आर० राघवन, आयकर आयुक्त  
दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नवनीतलाल चुनिलाल धारिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त 1977

निर्देश सं० अ० इ० -1 / 1925-2/दिस० 76—अतः, मुझे, एफ० ज० फर्नान्डीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/1526, का गिरगांव डिवीजन है तथा जो चोपाटी रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री एम० जे० तिजोरीवाला, एम० एम० तिजोरीवाला, एम० टी० तिजोरीवाला, एस० टी० तिजोरीवाला, ए० टी० तिजोरीवाला, एन० एम० पारिख,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2093/72/बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 15-12-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन इलाका 1, बंबई।

तारीख : 18 अगस्त, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एक्यु० / 11/ 1271/ 77-78/:-

अतः मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1580 है, तथा जो गणेशपुरा-ए, श्रीनगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री मनजीत सिंह, हरभजन सिंह, सुपुत्र श्री नन्द सिंह, निवासी 1599 श्रीनगर, दिल्ली। इनके स्पेशल अटारनी श्री अर्जन सिंह के द्वारा, सुपुत्र श्री गुलराज सिंह, निवासी 1901, श्रीनगर, दिल्ली -1

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० गुप्ता, सुपुत्र श्रीमांगे राम, निवासी 1515, श्रीनगर, दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बना हुआ है, जिसका म्यूसिपल नं० 1580 है, गणेशपुरा-ए, श्रीनगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : 30 फुट की सड़क  
पश्चिम : अन्य की जायदाद  
उत्तर : मकान नं० 1588  
दक्षिण : मकान नं० 1583

ए० एल० सूद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1272/77-78—

अतः मुझे, ए० एल० सुद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15/10 है तथा जो, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती देवकी बाई, पत्नी श्री जय कृष्ण इनके जनरल अटार्नी श्री जय कृष्णा गंगवानी के द्वारा, सुपुत्र श्री प्रताप राय गंगवानी, निवासी 26-ए, ग्रान्ट स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल आनन्द, जगदीश लाल आनन्द तथा श्री अश्वनी कुमार आनन्द, निवासी 15/10, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) श्री जी० एन० अग्रवाल और श्री प्रकाश अग्रवाल  
(2) श्री किशन चन्द डालवानी  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 200 वर्गगज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 15/10 है, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़ 25' चौड़ी

पश्चिम : 25' चौड़ी सर्विम मड़क

उत्तर : मकान नं० 15/9

दक्षिण : मकान नं० 15/11

ए० एल० सुद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 27-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1237/77-78:-

अतः मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० काटेज नं० 12 है, तथा जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री शिवदास, सुपुत्र श्री मेहता राम लुभाया, काटेज नं० 12, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराज मिगलानी, सुपुत्र श्री फरीया लाल मिगलानी, काटेज नं० 12, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) श्री बलराज मिगलानी।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काटेज नं० 12 जोकि वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में लीजहोल्ड अधिकारों सहित 319 वर्गज क्षेत्रफल की भूमि पर बनी हुई है तथा निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : काटेज नं० 13

पश्चिम : काटेज प्लॉट नं० 11

उत्तर : स्ट्रीट

दक्षिण : रोड

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-8-1977

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1274/77-78:—

अतः मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 233 है तथा जो केवल पार्क, दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—236GI/77

(1) श्री जीवन दाम मलिक, सुपुत्र श्री करम चन्द, निवासी 33/5, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री रामानन्द, सुपुत्र श्री काशीराम, निवासी-94 बी०, जी० टी० रोड, अजादपुर, दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 233 लेकिन जो अब 156/233 नं० में जाना जाता है, 220.4 वर्गगज क्षेत्रफल पर है और जिसका खसरा नं० 26 है, केवल पार्क, दिल्ली में है, निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 15 फुट का रास्ता  
पश्चिम : 30 फुट की सड़क  
उत्तर : प्लॉट नं० 234  
दक्षिण : 30 फुट की सड़क

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/जनवरी/253/592(1) 76-77—अतः, मुझे ए० एल० सूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16/59 है तथा जो जोशी रोड़ करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरुमुख दाम, सुपुत्र श्री भगवान सिंह, निवासी 16/59, जोशी रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री सतपाल, सुपुत्र श्री गिरधारी लाल, निवासी 16/59, जोशी रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 111 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 16/59 है, तथा ब्लॉक नं० 'ए० सी०' है, जोशी रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद खसरा नं० 1025/601

पश्चिम : जायदाद खसरा नं० 602/405

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एचयू० / 111/एम० आर०  
II/जनवरी/ 1258 (3) / 76-77 / 254 —अन: मुझे,  
ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू० जेड/ 67/ ए० 1 है तथा जो  
मिनाक्षी गार्डन, नई दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-1-1977  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुहागवन्ती, पत्नी श्री सुजान सिंह, निवासी  
बी० - 26, कचा तिहार, दिल्ली राज्य, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रहलाद, सुपुत्र श्री जासुमल, निवासी 16-बी०/2,  
देव नगर, नई दिल्ली, (2) श्रीमती कौशल्या  
देवी, पत्नी श्री देश राज, निवासी, 14/82, सुभाष  
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

जायदाद नं० डब्ल्यू० जेड/ 67/ ए/ 1 जोकि 270 वर्गगज  
क्षेत्रफल की भूमि पर बनी हुई है, मिनाक्षी गार्डन, तिहार गांव  
के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : दुकान प्लाट नं० 56 से 59

पश्चिम : प्लाट नं० 131

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : जायदाद नं० 152

ए० एल० सूद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

तारीख : 29-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14क, आसफली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० / 111/ 255/ 77-78:—  
अतः, मुझे, ए० एल० सूद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-145, ब्लाक 'डी०', तथा  
जो टैगोर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति-  
यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एम० बी० मनशोरामिणी, सुपुत्र श्री दिवान  
भगवान दास, निवासी-जे० 21, रजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरिक्त सिंह, सुपुत्र श्री लाल सिंह, निवासी  
डी० ई०-145, टैगोर, गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट  
पर बना हुआ है, जिसका नं० ई०-145 है, ब्लाक नं० 'डी०'  
है, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली में है।

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11 दिल्ली-1

4/14, आसफअली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एक्यु० / 11/ 256/ 77-78:—

अतः, मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जे० -10/15 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री प्यारा सिंह, सुपुत्र श्री मौदागर सिंह, निवासी जे०-11/129, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज, श्री यशपाल तथा मदन गोपाल, सुपुत्र श्री सोहन लाल, निवासी 65/26, रोहनक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 272.2 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 15, ब्लॉक नं० जे० 510 है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में है।

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री अकरम उद्दीन अहमद, शाहबुद्दीन अहमद, बसोउद्दीन अहमद ।

(अन्तरक)

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुसीर अहमद लीरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) बायान

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(4) कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त, 1977

निदेश नं० 96 एम०/एक्यू० :—अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 195/49 है तथा जो जगत नारायण रोड़, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 195/49 जो जगत नारायण रोड़, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 19 अगस्त, 1977

निदेश सं० 111-260/अर्जन/ 77-78/ 994 :—यतः,  
मुझे ज्योतिन्द्र नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 129 एवं शे० सं० 96 है,  
तथा जो म्युजियम रोड, पटना-1 में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अखिलेश्वर प्रसाद सिंहा वल्द बन्नी नारायण  
सिंहा सा० चन्दौली, थाना बेलसन्ड, जिला सीता-  
मढ़ी, हाल रजिस्ट्रार, कृषि विश्वविद्यालय,  
पूसा, जिला समस्तीपुर । (अन्तरक)

(2) श्री राम देव सिंह वल्द श्री भुवनेश्वर सिंह, सा०  
रामनगर, थाना कटरा, जि० मुजफ्फरपुर हाल  
म्युजियम रोड, पटना-1 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 15 धुर जो म्युजियम रोड पटना-1 में है  
सं० सं०-5 प्लॉट सं० 129, हो० सं० - 16, वा० सं०-1  
है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 6415 दिनांक 14-12-  
76 में पूर्ण है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 18 अगस्त, 1977  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 अगस्त 77

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/ 7499/ 76-77/ ए० सी०  
क्यू०/बी० :—यतः, मुझे, जे० एस० राव,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 557/बी० है, तथा जो 9 क्रॉस, 7 ब्लॉक  
वेस्ट, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 13-12-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री यु० कृष्णा मायपाडी सुपुत्र श्री शेषागिरी  
मायपाडी म्यानेजर, केनरा बैंक, करीलीहल्ली,  
हासेन डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरक)

(2) श्री टी० रंगनाथ सुपुत्र स्व० एच० तिमम्या,  
सं० 29 राष्ट्रीय विद्यालय रोड, बी० बी० पुरम,  
बेंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[ दस्तावेज सं० 1590/76-77 ता० 13-12-76 ]

नं० 557/बी०, 9 क्रॉस, 7 ब्लॉक वेस्ट, जयनगर,

बेंगलूर-11

बांध :

पू : नं० 557/ए०

प : 557/सी०

दक्षिण : 567 और

उत्तर : सी० आर० टी० बी० रोड

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 18-8-77

मोहर :



प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक, 22 अगस्त 1977

निर्देश सं० सी०आर० नं० 62/8028/76-77/ए०सी०क्यू०

/बी—अतः मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 30, (पुराना 872) है, तथा जो ईस्ट पार्क रोड, 18 क्रम, मल्लेश्वरम बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—236GI/77

1. डा० बी० एम० रामकृष्ण s/o मालीगे दोड्ड मुनिस्वामय्या, 97, शोर व्यू हाईव (रानर्सी) न्यूयार्क-10710, यू० एम० ए० । (अन्तरिती)

2. श्री बी० टी० पाटील, जवाहट रजिस्ट्रारस आफ कोआपरेटीव सोसैटीम, बेंगलूर-20 या नं० 30, ईस्ट पार्क रोड, 18 क्रम, मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3 । (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

दस्तावेज सं० 1860/76-77 दिनांक 30-12-76)

नं० 30 (पुराना 872), जयविलास, ईस्ट पार्क रोड, 18 क्रम मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3 ।

बांध : पू : ईस्ट पार्क रोड

प : बी० नागराजन का

उ : 18 क्रम रोड

व : स्व० आर, रामय्या नायडू का :

जे० एम० राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22 अगस्त 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रमेश चन्द्र ठाकोर दास हलवावाला बाड़ी  
फालिया, सूरत । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बाबु भाई छोटालाल शाह पीपला शेरी, महीदर  
पुरा, सूरत । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अगस्त 1977

निदेश सं० 518/ए० सी० क्यू० 23-904/19-7/77-78--  
यतः, मुझे एस० सी० पारीख,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० स नं० 368 प्लॉट नं० 2 टी० पी०  
नं० 4 है, तथा जो कतारगाम, महादेवनगर इण्डस्ट्रीयल को०  
सोसायटी के पास, बराछा रोड, सूरत में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 368 पैकी प्लॉट नं० 2  
कुल साप 1200 वर्गगज है तथा जो कतारगाम, महादेवनगर  
इण्डस्ट्रीयल को० आ० सोसायटी के पास बराछा रोड, सूरत  
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के दिसम्बर  
1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3844 में प्रदर्शित है।

एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 19-8-77  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 77

निदेश सं० ए० सी० क्यू० -23-I-1261 (598) / 1-1/  
75-76—यतः, मुझे एम० सी० पारीखघायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 2565-7, 2565-8. (भाग) 2636  
(भाग), 2565-3-4-5-6, कानपुर वार्ड-3, है, जो कालूपुर  
वार्ड-III, पानकोर नाका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31-1-77 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—(1) 1. श्री प्रभावती बेन चिनुभाई तथा (2) श्री  
राजीव चिनुभाई, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) गोकुल होटेलस प्रा० लि० दुकान नं० 7, वृंदावन  
शोपिंग सेन्टर, पानकोर नाका अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति पर दूसरी मंजिल से छठवीं मंजिल तक  
बांध काम करने का हक्क, जिसका सर्वे नं० 2565-7-8,  
2628, (भाग), 2636 (भाग), 2565-2-4-5-6 है तथा  
जो 3260 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो कालूपुर वार्ड-3,  
पानकोर नाका, अहमदाबाद में स्थित है।

एम० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 अगस्त 1977

निर्देश सं० टि०-आर० 76/सि०-72/कल०-1/76-77--  
अतः, मुझे, एच० के० बालमुन्नमनियण  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० में अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, तथा जो श्रीगोपाल मल्लिक लेन  
कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5  
गवर्नमेंट प्रेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-77  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री गेराचांद मल्लिक, अजित कुमार मल्लिक  
15, काली कुमार वर्नाजि लेन

(अन्तरक)

(2) श्री बीरेन्द्र नाथ सोम 14, रमानाथ मजुमदार  
स्ट्रीट कल०-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

27 नं० श्रीगोपाल मल्लिक लेन, कल० में अवस्थित  
नार्थ ओएस्टार्जि भाग का 2 कट्टा 3 छटांक, 16 वर्ग फिट  
जमीन।

एच० के० बालमुन्नमनियण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1

एरणाकुलम, दिनांक 17 अगस्त 77

निर्देश सं० टि० आर०-77/मि० 71/कल०-1/76-77—  
अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 27 है, तथा जो श्रीगोपाल मल्लिक लेन,  
कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5,  
गर्वनमेन्ट प्रेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री अजित कुमार मल्लिक (2) गोरा चन्व  
मल्लिक 15 कालीकुमार बनार्जि, लेन  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रबोध चन्द दे, 235 बी०, विपिन बिहारी गांगुली  
स्ट्रीट कल० -12  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

27 श्री गोपाल मल्लिक लेन कल० में अवस्थित ईष्ट,  
भाग का 2 कट्टा 2 छटांक 39 वर्ग फिट जमिन।

एच० के० बालसुब्रमनियण  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1, फलकता-16

तारीख : 17-8-77  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एरणा कुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 अगस्त 1977

निर्देश सं० टि० आर० 78/सि०-70/कल०-1/76-77—

अतः मुझे, एल० के० बालासुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है तथा जो श्रीगोपाल मल्लिक लेन कल० में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वन्मेन्ट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री अजित कुमार मल्लिक  
2. श्री गौराचंद मल्लिक 15, कमल कुमार बनार्जि लेन कल०-2  
(अन्तरक)  
(2) सकृति पद घोष 6, बर्षिधम चटार्जी स्ट्रीट कल०-12  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

27 नं० श्रीगोपाल मल्लिक लेन कल० में अवस्थित साउथ ग्रेवे स्टार्जि भाग का 2 कट्टा 3 छटांक 3 प्लॉट 35 वर्ग फीट जमीन।

एल० के० बालसुब्रमनियम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 1, कलकत्ता-16

तारीख : 17-8-77  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सेन्वगवल्ली अम्माल और आदि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेश सं० 20/ जनवरी/ 77 —यतः, मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 216 ए० है, जो दिन्डुक्कल रोड मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै ( पत्र सं० 53/1977) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(2) श्रीमती टी० पी० एम० माणिकवल्ली अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, दिन्डुक्कल रोड डोर सं० 215 ए० ( टी० एस० सं० 878/1, 878/2, 879/1, 879/2, 880/1, और 880/2) में 1574 स्क्वियर फीट की भूमि ( मकान के साथ )।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती गुणवती अम्माल और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती मीनकशी और आदि

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेश सं० 29/ जनवरी/ 77 —यतः, मुझे के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 147 ए० है, जो सौत मासी स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 136/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मदुरै, सौत मासी स्ट्रीट डोर सं० 147 ए०, में 2,629 स्क्वयर फीट की भूमि और मकान में 1/4 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 11-8-77

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती गुणवती अम्माल और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती मीनाकणी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त, 77

निर्देश सं० 30/ जनवरी/ 77 :—यतः, मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 147 ए०, है, जो सौत मासी स्ट्रीट  
मदुरै में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै ( पत्र सं०  
137/ 77 ) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
( 1908 का 16 ) के अधीन, जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि गद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
7=236GI/77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-फ में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै सौत मासी स्ट्रीट डोर सं० 147-ए०, में 2629  
स्कूयर फीट की भूमि और मकान में 1/4 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 11-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एस० एस० —————

(1) श्रीमती गुणवती प्रमाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती मीताकशी

(अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० 31/ जनवरी/ 77 :—यतः, मुझे के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 147 ए०, है, जो सौत मासी स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 138/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, सौत मासी स्ट्रीट डोर सं० 147 ए०, में 2629 स्क्वायर फीट की भूमि और मकान में 1/4 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती गुणवती भ्रमाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती मीनाकशी

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त, 1977

निर्देश सं० 32/ जनवरी/ 77 :—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 147 ए०, सौत मासी स्ट्रीट मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है (और हमसे उपाबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै ( पत्र सं० 134/77 ) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन, 16 जनवरी, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अप्रार्थनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, सौत मासी स्ट्रीट डोर सं० 147 ए०, में 2629 स्कूयर फीट की भूमि और मकान में 1/4 अभिन्ना भाग।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 11-8-1977  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री/एनरेड डी० मिलवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री/ एम० कमालुद्दीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेश सं० 35/ जनवरी/ 77 :—यतः, मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 192 है, जो कोडैकानल में स्थित है  
(और इससे उपायद्ध से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कोडैकानल (पत्र सं० 39/77) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 31-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पाप  
लिखित में विरोध जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कोडैकानल एम० सं० 192 में 8'04 एकड़ की भूमि ।

के० पोन्नन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 11 अगस्त 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री/ एलरेड डी मिलवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 77

निदेश सं० 36/जनवरी/77— यतः, मुझे के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 193 है, जो कोडैकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडैकानल (पत्र सं० 40/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोडैकानल एम० सं० 193 में 8.57 एकड़ की भूमि।

के० पोन्नन,  
मक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक : 11 अगस्त 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री/ एलरड डी मित्रवा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री/ एम० मोहमद यूसूफ

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० 37/जे०ए०एन०/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 191 है, जो कोडैकानल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री ऑफ़ अधिकाारी के कार्यालय, कोडैकानल (चक्र सं० 41/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 31-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोडैकानल, एस० सं० 191 में 12.18 एकर की भूमि।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जेंट रेंज, मद्रास

दिनांक : 11 अगस्त 1977  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० गोविन्द रेड्डीयार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) : अधीन सूचना

(2) श्री/ हेमा (मैनर)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 3769/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26 और 27, सीत कवरै स्ट्रीट, मन्जकुप्पम, कडलूर में स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जे० एम० आर० I कडलूर (डाकुमेण्ट 1137/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

## अनुसूची

कडलूर, मन्जकुप्पम, सीत कवरै स्ट्रीट, डोर सं० 26 और 27, में 11640 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ) (टी० एम० सं० :1007)

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12 अगस्त 1977.

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री इ० के० वेंकटाचलम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वी० वी० आनन्धवल्लि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 18 अगस्त 1977

निदेश सं० 4131/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी डोर सं० 15/89, एस० सं० 391/1 टी० एस० सं० 158, संगनूर गांव, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धिपुरम ( डाकुमेण्ट 1957/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कोयम्बतूर, संगनूर गांव, एस० सं० 391/1, टी० एस० सं० 158, टी० एस० वाई : 12, मुनिसिपल वाई : 15, डोर सं० 15/89 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-8-1977.

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्री के० एग० दुरैसामि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री कोयम्बतूर जेयिम इवेटाम्बर मूर्तीपुजक संग

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० 4140/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 82, पोन्नुरंगम रोड, (ईस्ट), आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 2965/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-12-1976.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तित्वों, यथातः :—

8—236GI/77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, आर० एस० पुरम, ईस्ट पोन्नुरंगम रोड, डोर सं० 82 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 12-8-77

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री पी० एम० गोविन्दन राव और पी० एम० रामचर और श्रीमती शान्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री एम० दुरैसामि

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

निदेश सं० 4143/76-77--प्रतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और ट्रिप्ली सं० 70, सुब्रह्मनियम रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर, में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० कोयम्बतूर (डकुमेण्ट 2955/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-12-76.

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

में, जहाँ आय, धन अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:--**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोयम्बतूर, आर० एस० पुरम, सुब्रह्मनियम रोड, डोर सं० 29/70 में 4560 स्क्वियर फीट भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12 : अगस्त 1977.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) महेंद्र एण्टरप्राइस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० बी० राममूर्ति

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

निर्देश सं० 4159/76-77 —यतः, मुझे, के० पोन्न  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० में अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों एवं  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० सैट सं० 8, टी० एस० 17, है तथा जो  
ईरोड में स्थित है (और एम० आबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०  
एम० आर० I, ईरोड (डाकुमेण्ट 3807/76) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
9-12-1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में निम्नलिखित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रब्रह्मनाथों के नाम में निहित  
में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

ईरोड टी० एस० सं० 17, सैट सं० 3 में 3800 एकड़  
मीट का भूमि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 12-8-1977  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) एम० एन० आर० एण्ड कंपनी

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माऊंट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० 4159/76-77—यतः, मुझे के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिनकी सं० ईरोड, टी० एम० 17, सैट सं० 6 में 5210  
स्क्वायर फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जे० एन० आर० I ईरोड, ( डाकुमेंट 3808/76) में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन  
तारीख 9-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री पी० पोन्नसामि ;

एन० मिश्रनम्बि और पी० सुब्बुलक्ष्मि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ईरोड बाई गं० 4, टी० एम० सं० 17, सैट सं० 6 में  
5210 स्क्वायर फीट का भूमि।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) एम० एल० आर० एण्ड कंपनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउंट रोड, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 77

निदेश सं० 4159 / 76-77 —यतः, मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट सं० 55, टी० एस० 17, ईरोड में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, इरोड ( डाकुमेन्ट 3809 / 76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० पी० कन्तसामि

एम० कुण्णसामि और पी० निरूपप गौण्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, टी० एस० सं० 17, वार्ड सं० 4, सैट सं० 5 में 5230 स्क्वियर फीट का भूमि।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-8-77  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री बी० एम० पोरियमसामि

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123 माउंट रोड, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० 4162/76-77 :—यतः, भुसे के० पोन्नन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ईरोड, एस० सं० 46 बी० में 23-2/3 सेण्ट भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, ईरोड (राकुमेन्ट 3953/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री ए० मुतुसामि और बी० एम० रामसामि  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ईरोड, एस० सं० 46-बी० में 26-2/3 सेण्ट का भूमि ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रारंभ आर्टी० टी० एन० एस०-----

(1) श्री देवराज

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 123, मार्केट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० 4162/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और जिसकी सं० इरोड, एम० सं०-46 बी० है तथा  
जो 26-2/3 सेन्ट भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जे० एम० आर० I इरोड ( डाकुमेन्ट 3954 / 76 ) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री ए० मुत्तुसामि और बी० एम० रामसामि  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इरोड, एम० सं० 46 बी० में 0.26-2/3 सेन्ट का भूमि।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 12-8-1977  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कस्तुरामि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री ए० सुनुमामि और वी० एम० रामसामि

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 77

निदेश सं० 4162/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ईरोड, एम० सं० 46 बी० में 0.26 $\frac{1}{2}$   
सेन्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जे० एम० आर० I, ईरोड ( डाकुमेन्ट 3955/76) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, एम० सं० 46 बी० में 26 $\frac{1}{2}$  सेन्ट का भूमि।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० दामोदर मूर्ति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० लडराजा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अगस्त 77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 5377/76-77 :—यनः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3, पोलांगीपुरम पहला स्ट्रीट, नुवम्बा-क्वम, मद्रास-34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-II, मद्रास नार्थ (डॉकुमेंट 4523/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—236GI/77

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 34, नुवम्बाक्वम, पोलांगीपुरम पहला स्ट्रीट, डोर सं० 3 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 18-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अगस्त, 1977

निदेश सं० 5413/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/31, एल्डाम्स रोड, तेनाम्पेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर 'मद्रास' 'आकुमेट 1232/76' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्रीमती/ बाधीयस अम्माल और जी० सौन्दरि (अन्तरक)

(3) श्री/ वी० वेलु, अम्बलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, तेनाम्पेट, एल्डाम्स रोड, डोर सं० 1/31 में 1629 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ)

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० रादाकृष्ण; आर० युवराज, आर० प्रसाद और पी० धीता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) इ० वसन्ता

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) चेम्फेब वेल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

अर्जन रेंज-II, मद्रास

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त, 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 5428/76-77 :—यतः, मुझे, के० पोन्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 55, एडवार्ड, एल्लियास रोड है जो मद्रास 4 में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर 'मद्रास' (डाकुमेन्ट 68/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मद्रास, एडवार्ड एल्लियास रोड, डोर सं० 55 में भूमि और मकान।

के० पोन्न

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्रीमती के० यमूना देवी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० नजीमा बेगम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

अर्जन रेंज II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 19 अगस्त 77

निदेश सं० 5445/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्न  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि मातृसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 40/1, 40/बी०, और 40/बी० (2)  
है, जो एल्डाम्स रोड, मद्रास 18 में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मद्रास नार्थ  
डाकुमेंट 4680/76), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

मद्रास, एल्डाम्स रोड, डोर सं० 40/1, 40/ए०, 40/बी०  
और 40/बी० (एल०) में एक ग्रउण्ड और 961 स्क्वयर  
फीट का भूमि (मकान के साथ) (नया सर्वे सं० 1548/7  
(भाग) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

के० पोन्न

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-8-77

मोहर :

प्राप्य आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्रीमती इ० वीरम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० रामनाथन और श्री ती वी० मरगत नाचिवार ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अगस्त 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

निदेश सं० 3762/76-77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिष्टिवादा करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० 113, 11 क्रॉस स्ट्रीट, तिल्लैनगर निरुधि में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर०-1 निरुधि (डाकुमेंट 3745/76), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निरुचिरापाल्ल, तिल्लैनगर, 11 ए० क्रॉस स्ट्रीट, (डोर सं० 2ए०) प्लॉट सं० सी० 113 में भूमि और मकान (डाकुमेंट 3745/76)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 23-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 अगस्त 77

सं० आर० ए० सी० 77/77-78 :—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 15-1-503/बी०/28 है, जो सीदीअमबर  
बाजार हैदराबाद में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दूदबोली हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आसियाँ,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
ग. उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) भारत कन्स्ट्रक्शन कम्पनी मैनेजिंग भागीदार  
बाबु लाल जैन धर नं० 15-1-503 सीदीअमबर  
बाजार हैदराबाद। (अन्तरक)(2) श्रीमती पुष्पा बाई पत्नी शमबुलाल 14-2-332/1,  
गयान बाग कालोनी हैदराबाद। (अन्तरिती)(3) रीजनल मैनेजर कार्पोरेशन बेनक 15-1-503/बी०  
28-2 एनजोला अशोक मार्फट हैदराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम चीज सवा नं० 15-1-503/बी०-28-II ब्लाक  
2-सवा अशोक मार्फट हैदराबाद में है रजिस्ट्री की गई दस्तावेज  
नं० 44/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय दूदबोली हैदराबाद में हुआ  
है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 25-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त I (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 78/77-78 :—यतः, मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/बी० / 27 है, जो आशोक मार्केट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूदबौली हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) भारत कनस्ट्रक्शन कम्पनी मनेजिंग भागीदार  
बाबुलाल जैन 14-2-332/7 / ए० गयान बाग  
कालोनी हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती गीन्दीबाई पति मन्गीलाल 1-1-231/2-  
वी० चोकडपली हैदराबाद । (अन्तरिती)

(3) रोजिनल मनेजर कारपोरेशन बैंक 15-1-503/  
बी०-27 IIInd फ्लोर अशोक बाजार हैदराबाद ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तमाम चीज फ्लैट नं० 15-1-503/बी०/27 II मनजीला  
ब्लाक नं० II आशोक मार्केट हैदराबाद में है और उसका  
विम्नार 112-72 बरी मोटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 45/77  
उप-रजिस्ट्री कार्यालय दूदबौली हैदराबाद में की गई है ।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

तारीख : 9-8-77  
मोहर

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 20th August 1977

No. F. 31/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri H. L. Chandramouli, Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge at the disposal of the Grover Commission of Inquiry, New Delhi with effect from the forenoon of 20 August, 1977, until further orders, on usual terms and conditions of deputation.

R. SUBBA RAO  
Deputy Registrar (Admn.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th July 1977

No. A. 12019/1/75-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 19th April 1977, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for a further period of five months with effect from 1-8-1977 or until further orders, whichever is earlier :—

S/Shri

1. M. L. Dhawan
2. J. L. Kapur
3. Miss Santosh Handa.

The 1st August 1977

No. P-197/Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to permit Shri P. Chatterjee, a permanent Mechanical Tabulation Officer and officiating as Director (Data Processing) Union Public Service Commission, to retire from Government service, on the expiry of the extended period of service beyond the age of superannuation, with effect from the afternoon of 31-7-1977.

R. S. AHLUWALIA  
Deputy Secretary,  
for Chairman  
Union Public Service Commission

New Delhi, the 30th July 1977

No. P/1894-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Dr. V. Prakasam, Lecturer in Linguistics in the Osmania University, Hyderabad, to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 2 years with effect from the forenoon of 21-7-1977 or until further orders, whichever is earlier.

The 3rd August 1977

No. A. 19011/2/77-Admn.I.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri B. R. Patel, IAS, as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 3rd August, 1977, until further orders.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secretary,  
for Chairman,  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 20th July 1977

No. A. 32011/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 31-7-1977 on purely temporary and *ad hoc* basis vide orders number A. 32014/1/77-Admn. I dated the 31st May, 1977, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period with effect from 1-8-1977 to 30-9-1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32011/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri R. L. Thakur, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) Cadre of Union Public Service Commission, officiating Senior Personal Assistant on purely

temporary and *ad hoc* basis, in Grade B of CSSS cadre of Union Public Service Commission on regular basis with effect from the forenoon of 20-6-1977, until further orders.

The 1st August 1977

No. P/1884-Admn.I.—The services of Shri P. S. Mahadevan, an officer of the Indian Railway Traffic Service on deputation as Secretary, Union Public Service Commission, who had been granted leave upto 31-7-1977, are replaced at the disposal of the Ministry of Railways (Railway Board) on the expiry of his leave, with effect from 1-8-1977.

The 5th August 1977

No. A. 32013/1/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 7-6-1977 the President is pleased to appoint Shri Anilendu Gupta, a permanent officer of the Grade I of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of the service as Deputy Secretary for a further period of 3 months with effect from 1-7-1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 12-5-1977 the President is pleased to appoint Shri A. N. Kolhatkar, an officer of the Indian Revenue Service (Income-Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 3 months with effect from 1-7-1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/77-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 3-8-1977 to 30-9-1977 or until further orders, whichever is earlier.

The 8th August 1977

No. A. 32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
1	2	3
	S/Shri	
1.	T.D. Joshi	With effect from 29-6-1977 until further orders.
2.	R.P. Kukroty	Do.
3.	Vir Singh Riat	4-7-1977 to 30-9-1977
4.	R.R. Ahir	14-7-1977 to 3-10-1977

No. A. 32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Jain, a permanent officer of Grade A of the CSSS cadre of Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the CSS as Under Secretary with effect from 29-6-1977 until further orders.

The 10th August 1977

No. A. 32013/3/76-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 4-7-1977 to 3-10-1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPTT. OF PERSONNEL AND A. R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION  
New Delhi, the 16th August 1977

No. I-2/71-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation Shri L. N. Venkatesan, Supdt. of Police, CBI, E.O.W. Madras, relinquished charge of his office on the forenoon of 1-8-1977. His services were placed back at the disposal of Tamil Nadu Govt.



No. A-19036/3/77-Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby Promotes Shri S. Venkatachalam, Inspector of Police, C.B.I., GOW, Madras Branch to officiate as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 20-7-1977 in a temporary capacity until further orders.

The 20th August 1977

F. No. K-16/72-Ad. V.—On the expiry of his term of deputation, Shri K. Vijayan, Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Unit, New Delhi relinquished charge of his office on the afternoon of 6-8-1977. His services are placed back at the disposal of Enforcement Directorate with effect from forenoon of 7-8-1977.

The 23rd August 1977

No. PF/M-5/72-Ad. V.—Shri Mohd. Shafique, Office Supdt. relinquished charge of his office as Office Supdt. on the forenoon of 28-7-1977 and reverted as Crime Assistant.

Shri Mohd. Shafique, Crime Assistant, CBI is pre-promoted and appointed as Office Supdt., in C.B.I. with effect from the forenoon of 2-8-1977 until further orders.

F. No. A-19036/2/77-Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri O. Venugopal, Inspector of Police, Central Bureau of Investigation, Madras, on promotion, to officiate as Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 4-7-1977 until further orders.

P. S. NIGAM  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 16th August 1977

No. P. VII-4/76-Estt. IV.—The appointments of the following Subjars as Dy. S.P. (Coy. Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity against short term vacancies vide Notifications No. C IX-13/75-Estt. dated 3-2-1976, No. T. IX-4/76-Estt. dated 23-2-1976 and No. T. IX-9/76-Estt. dated 9-9-1976 are hereby regularised with effect from the original dates of their appointment as mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Date of original appointment as Dy. S.P.	Present Unit
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Balwant Singh . . .	3-12-75	42 Bn.
2.	Faquir Mohd. . . .	29-12-75	1 Sig. Bn
3.	Santok Singh . . .	22-12-75	3 Sig Bn
4.	Kewal Krishan . . .	16-12-75	2 Sig Bn
5.	Kanwar Singh . . .	17-12-75	2 Sig Bn
6.	Khushi Ram . . .	19-12-75	1 Sig Bn
7.	Vasdev Bhanot . . .	29-7-76	1 Sig. Bn

S.M. GHOSH  
Director General

New Delhi-110001, the 11th August 1977

No. O. II-1070/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Sushila Bagdi, as G.D.O. Gd. II (Dy.S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31st July, 1977 until further orders.

10—236GI/77

The 16th August 1977

No. O. II-134/69-Estt.—Consequent on the expiry of 81 days L.P.R. granted to him w.e.f. 11-4-1977 to 30-6-1977, Shri S. A. Towliq, Commandant G.C., CRPF Hyderabad retired from Government service.

No. O. II-999/72-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Man Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 3 Bn., CRPF, on the afternoon of 31-7-1977.

No. O. II-151/77-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. Rajinder Singh (Retd.) as Asstt. Commandant in the C.R.P.F. until further orders.

2. Lt. Col. Rajinder Singh took over charge of the post of Joint Asstt. Director (Crypto) in the Directorate General, C.R.P.F. on the forenoon of 1st August, 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm)

New Delhi-110001, the 19th August 1977

No. O. II-1091/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service Shri D. V. N. Acharya relinquished charge of the post of Dy. S. P., 12th Bn, CRPF, on the afternoon of 31-7-1977.

The 22nd August 1977

No. P. VII-3/77-Estt.—Shri Genda Lal Sharma, Administrative Officer of the CRPF is promoted as Joint Assistant Director (A/Cs) in the Directorate General, CRPF, New Delhi w.e.f. the forenoon of 13-7-1977 till further orders.

M. P. SINGH  
Assistant Director

#### DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 16th August 1977

No. A.38/15/75-Wireless.—Shri Dharam Vir Singh is appointed as Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 6th July, 1977, until further orders.

C. P. JOSHI  
Director  
Police Telecommunications

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 16th August 1977

No. 11/1/77-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Chaturvedi, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of three months with effect from the forenoon of 3rd August 1977 or till such date that a candidate becomes available for appointment on a regular basis, whichever period is shorter.

The 17th August 1977

No. P/G(43)-Ad. I.—On his return from deputation on foreign service as Census Advisor to the Government of Swaziland under UNOTC, with effect from 1-5-1974 to 30-4-1977, and after the expiry of the leave granted to him with effect from 1-5-1977 to 8-7-1977 suffixing Second Saturday the 9th July, 1977 and Sunday the 10th July, 1977 to the leave, Shri Abdul Gani resumed duty as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, with effect from the forenoon of 11-7-1977 with his headquarters at Srinagar.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India &  
*ex-officio* Deputy Secretary  
to the Government of India

## SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 11th August 1977

No. C/4/3973.—Further to this office notification No. C/4/2586 dated 21-6-1977 Shri S. S. Johari, Inspector Control is allowed to continue to officiate as Assistant Chief Control Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for a further period of 42 days from 24-7-1977 to 3-9-1977 vice Shri P. L. Narayanan, Asstt. Chief Control Officer on leave.

R. VISWANATHAN  
General Manager

## FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st July 1977

No. 7-FC.2(1)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance (Department of Expenditure), Shri P. L. Sakarwal, Under Secretary in that Ministry has been appointed as Under Secretary in the Seventh Finance Commission with effect from the forenoon of the 1st July, 1977 until further orders.

V. B. ESWARAN  
Member-Secretary,  
Finance Commission

New Delhi, the 21st July 1977

No. 7 FC 2(2)-A/77.—Shri M. L. Anand, Grade III Officer of the Indian Economic Service, has been appointed as Senior Research Officer in the Seventh Finance Commission in the scale of Rs. 1100—1600/-, on the usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 24th June, 1977 until further orders.

No. 7 FC.2(3)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Shri Pritam Singh Gill, Officiating Section Officer (excluded) has been appointed as Research Officer in the Seventh Finance Commission, in the scale of Rs. 700—1300/-, on the usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 24th June, 1977 until further orders.

No. 7 FC.2(4)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Shri O. P. Dang, Officiating Private Secretary in that Department is appointed as Private Secretary in the Seventh Finance Commission, on usual deputation terms, in the scale of Rs. 775—1200/- with effect from the forenoon of 24th June, 1977 until further orders.

No. 7 F.C.2(5)-A/77.—On transfer from the Ministry of Planning, Department of Statistics, Shri J. L. Kapoor, Assistant Director, has been appointed as Senior Research Officer in the Seventh Finance Commission in the scale of Rs. 1100—1600/- on usual deputation terms, with effect from the 6th July, 1977 (F.N.) until further orders.

No. 7 FC.9(17)-A/77.—On transfer from the Department of Economic Affairs, Shri Padam Nath Sachdev, Section Officer (Accounts) of the Office of the Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Northern Railway, New Delhi, has been appointed as Accounts Officer in the Seventh Finance Commission, on usual deputation terms in the scale of Rs. 840—1200/-, with effect from the forenoon of the 12th July, 1977, until further orders.

The 23rd July 1977

No. 7 FC 2(7)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Shri P. B. Dhawan, officiating Senior Research Officer and permanent Grade IV Officer of the Indian Economic Service has been appointed as Private Secretary to Chairman, Seventh Finance Commission in the scale of Rs. 1100—1600/- with effect from the forenoon of 14th July, 1977 until further orders.

No. 7 FC 9(10)-A/77.—On transfer from the Bureau of Public Enterprises, Shri B. R. Oberai, Senior Personal Assistant has been appointed as Senior P.A. in the Seventh Finance Commission on usual deputation terms, in the scale of Rs. 650—1040/- with effect from the forenoon of 16th July, 1977 until further orders.

No. 7 FC 9(18)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Shri H. R. Meraney, Section Officer of Central Secretariat Service, has been appointed as Superintendent in the Seventh Finance Commission on usual deputation terms, in the scale of Rs. 650—1200/-, with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 until further orders.

The 27th July 1977

No. 7 FC 2(8)-A/77.—On transfer from the Department of Revenue (Central Division), Ministry of Finance, Shri K. D. Sharma, Grade I of Central Secretariat Stenographers Service, has been appointed as Private Secretary in the Seventh Finance Commission, on usual deputation terms, in the scale of Rs. 775—1200/- with effect from the forenoon of 1st July, 1977 until further orders.

The 10th August, 1977

No. 7 F.C. 2(16)-A/77.—Shri M. R. Govindarajulu, permanent stenographer of C.S.S.S. Cadre of the Ministry of Works and Housing and Ex-additional Private Secretary to former Finance Minister, has been appointed as Private Secretary in the Seventh Finance Commission, on usual deputation terms, in the scale of Rs. 775—1200/-, with effect from the forenoon of the 18th July 1977 until further orders.

The 16th August 1977

No. 7-F.C.2(6)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Shri M. R. Sivaraman, I.A.S. (MP/62), Director, has been appointed as Director in the Seventh Finance Commission with effect from the forenoon of the 15th July, 1977 until further orders.

P. L. SAKARWAL  
Under Secy,  
Finance Commission

## INDIAN AUDIT &amp; ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

## COMMERCE WORKS &amp; MISC

New Delhi, the 10th August 1977

No. ADMN.1/2(1)/V/2064.—The A.G.C.W. & M. New Delhi has been pleased to promote the following Section Officers (Audit & Accounts) as temporary Accounts Officer on Provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the afternoon of 27-7-1977, until further orders.

1. Shri O. P. Bhatia
2. Shri H. K. Singh.

S. S. MANN  
Dy. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

## GUJARAT

Ahmedabad, the 18th August, 1977

No. Estt. (A)/GO/1926.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the dates as shown against each until further orders.

Name	With effect from
S/Shri	
1. B. Triambakam . . . . .	2-5-77 FN
2. V.B. Shah . . . . .	2-5-77 FN
3. N.P. Ramaswamy . . . . .	26-7-77 FN
4. M.N. Pabari . . . . .	26-7-77 FN
5. V.R. Srinivasan . . . . .	10-8-77 FN

K. H. CHHAYA  
Deputy Accountant General (Admn.)  
Office of the Accountant General,

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,  
CENTRAL RAILWAY

Bombay VT, the 18th August 1977

No. G.O.O. No. 501.—Shri M. A. Shaikh, permanent Section Officer (Audit) officiating as Audit Officer in this office is hereby appointed to a permanent post of an Audit Officer in a substantive capacity with effect from 1-8-1977.

KULVANT SINGH  
Chief Auditor

## SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 18th August 1977

No. Au/Admn./II/5/Vol.II/690.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri B. N. Sathyan, a substantive Section Officer of his office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 8th August, 1977 forenoon until further orders.

No. Au/Admn./II/5/Vol.II/691.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri S. Krishnaswamy, a substantive Section Officer of his office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 6-8-1977 (forenoon) until further orders.

D. N. PRASAD  
Deputy Chief Auditor

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE  
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS  
CORRIGENDUM

New Delhi-22, the 9th August 1977

No. 86016(14)/76-AN.II.—This office Notification bearing No. 86016(13)/75-AN-II dated 30th January, 1976 notified in the Gazette of India dated 21-2-1976 (Part 3, Section I on page 1562) regarding reversion of Shri B. K. Banerjee, I.D.A.S. to the Junior Administrative Grade with effect from 9-9-1975, is hereby cancelled.

V. S. BHIR  
Additional Controller General of Defence Accounts

## MINISTRY OF DEFENCE

## D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

## DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 11th August 1977

No. 41/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri Jogesh Chandra Sen, Subst. & Permt. A.S.O. retired from service with effect from 31-7-1977 (A.N.).

D. P. CHAKRABORTY  
ADG/ADMIN. II  
for Director General, Ordnance Factories

## INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 26th July 1977

No. 36/G/77.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. ADGOF Gr. II/Dy. General Manager/Principal with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri Teja Singh, Pt. Manager 11th March, 1977
- (2) Shri M. Sahai, Pt. Sr. DADGOF 11th March, 1977.
- (3) Shri R. G. Choudhary  
Pt. Manager 11th March, 1977
- (4) Shri M.P. Sharma Pt. Manager 11th March, 1977.
- (5) Shri R.N. Singh, Pt. Manager 11th March, 1977
- (6) Shri S.K. Dhar, Pt. Manager 11th March, 1977.

No. 37/G/77.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Sr. DADGOF/Manager

with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri G. Agarwal, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (2) Shri D.D. Misra, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (3) Shri R.O. Rustogi, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977
- (4) Shri R.K. Jain, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (5) Shri V. Horidoss, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (6) Shri S.R. Rao, Pt. DADGOF 11th March, 1977.
- (7) Shri Dipak Choudhury, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (8) Shri R. P. Jauhari, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (9) Shri J. C. Durja, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (10) Shri C. Venugopal, Pt. Dy. Manager 11th March, 1977.
- (11) Shri M.B.G.G. Batcha, Pt. Dy. Manager 11th March 1977.
- (12) Shri V.S. Dakshinamurthy, Pt. DADGOF 11th March, 1977.
- (13) Shri D. S. Prasad, Pt. DADGOF 11th March, 1977
- (14) Shri K.H. Raman, Offg. Dy. Manager 11th March, 1977.

No. 38/G/77.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. DADG/Dy. Manager with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri G. Lakshminarayan, Pt. A.M. 19th March, 1977.
- (2) Shri Subir Mukhopadhyay, Pt. A.M. 19th March, 1977.
- (3) Shri B.C. Biswas, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (4) Shri B.S. Bhatia, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (5) Shri K.M. Ravikumar Nair, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (6) Shri A.M. Nair, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (7) Shri Ramesh Chandra A.M. (On Prob.) 19th March, 1977
- (8) Shri Harnam Singh A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (9) Shri Sukumar Bose, Offg. TSO 19th March, 1977.
- (10) Shri S. K. Sharma, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977
- (11) Shri Surender Kumar, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (12) Shri U.N. Singh, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (13) Shri K. Chandran, A.M. (On Prob.) 19th March, 1977.
- (14) Shri K. Loganathan, Offg. A.M. 19th March, 1977.
- (15) Shri Suresh Chandra, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (16) Shri M.K. Sanyal, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (17) Shri M.M. Konar, Offg. TSO 19th March, 1977.
- (18) Shri Muralidhar Singh AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (19) Shri C.S. Shiva Kumar, AM (On Prob.) 19th March, 1977.

- (20) Shri A.K. Grover, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (21) Shri D. N. Dutta, Offg. AM 19th March, 1977.
- (22) Shri C. K. Mehta, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (23) Shri D. Ramesh Kumar, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (24) Shri S.C. Gupta, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (25) Shri J. K. Agarwal, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (26) Shri A.K. Lamba, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (27) Shri U. M. Prabhu, Desai AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (28) Shri K. D. Sanyal, Offg. AM 19th March, 1977.
- (29) Shri M.S. Gopalaswamy, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (30) Shri Satya Pal, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (31) Shri S. Ravi, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (32) Shri M.N. Puthatunda, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (33) Shri S. Sen, Offg. AM 19th March, 1977.
- (34) Shri M.R. Ghai, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (35) Shri H.L. Kapoor, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (36) Shri C. Jacobi, Offg. AM 19th March, 1977.
- (37) Shri Subhas Chander, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (38) Shri Ajoy Shankar, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (39) Shri S. Chandrasekhar, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (40) Shri A.K. Agarwal, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (41) Shri A.K. Bose, Offg. AM 19th March, 1977.
- (42) Dr. N.V. Murasetharan, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (43) Dr. P.N. Chakraborty, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (44) Shri M.K. Ghosh, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (45) Shri H.P. Gautam, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (46) Shri U.C. Saxena, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (47) Shri Sudarshan Kumar, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (48) Shri A.K. Das, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (49) Shri P.K. Misra, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (50) Shri H.C. Hrangate, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (51) Shri S. Tata, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (52) Smt. S. Vinayak, AM (On Prob.) 19th March, 1977.
- (53) Shri Aurobindo Nandi, AM (On Prob.) 19th March, 1977.

No. 39/G/77—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. TSO/AM/SO Gr. II w.e.f. the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri Kalyan K. Chatterjee, Pt. SA 19th April, 1977.
- (2) Shri A. Roy Chowdhury, Pt. SA 19th April, 1977.
- (3) Shri T. Prabhakaran, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (4) Shri B.B. Ghai Thakurta, Offg. SA 19th April, 1977.

- (5) Shri B.K. Sharma, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (6) Shri A.S. Tiwari, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (7) Shri Y.K. Rao, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (8) Shri D.I. Bhogal, Pt. Foreman 25th April, 1977.
- (9) Shri S.P. Ramachandran, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (10) Shri P. K. Naug, Pt. Foreman 25th April, 1977.
- (11) Shri R. P. Katarir, Pt. SA 19th April, 1977.
- (12) Shri M.C. Puri, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (13) Shri D.J. Sinha Roy, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (14) Shri K. K. Mondal, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (15) Shri M.B. Choudhury, Pt. S A 19th April, 1977.
- (16) Shri N.K. Nair, Pt. Foreman 19th April, 1977.
- (17) Shri R. B. Mathur, Pt. Foreman 25th April, 1977.
- (18) Shri A.K. Bakshi, Pt. SA 19th April, 1977.
- (19) Shri S. Nagabhusanam, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (20) Shri N.A. Bhatt, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (21) Shri N.V. Nambissan, Offg. Foreman 22nd April, 1977.
- (22) Shri C.E. Jaganathan, Offg. Foreman 22nd April, 1977.
- (23) Shri P. S. Narayanaswamy, Offg. Foreman 25th April, 1977.
- (24) Shri N.R. Chatterjee, Pt. Foreman 25th April, 1977.
- (25) Shri M.N. Roy, Offg. Foreman 25th April, 1977.
- (26) Shri K.M.G. Kutty, Offg. Foreman 25th April, 1977.
- (27) Shri D. K. Mukherjee, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (28) Shri K. P. Bhattacharjee, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (29) Shri R.N. Tripathi, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (30) Shri K.K. Taneja, Offg. Foreman 19th April, 1977.
- (31) Shri V.N. Arora, Offg. SH 25th April, 1977.
- (32) Shri N.C. De. Pt. SA 10th May, 1977.

M. P. R. PILLAI  
Assistant Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the September 1977

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by five points to reach 325 (three hundred and twenty five) during the month of July, 1977. Converted to base : 1949=100 the index for the month of July, 1977 works out to 395 (three hundred and ninety five).

T. SINGH  
Dy. Director

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 17th August 1977

#### IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/155/54-Admn(G)/5889.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a further period of three months with effect from 1-7-1977 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. 6/806/67-Admn(G)/5900.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Basu permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a further period from 1-5-1977 to 31-7-1977.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. P. Basu, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

The 23rd August 1977

No. 6/488/58-Admn(G)/6039.—Shri R. S. Arora, a permanent Controller of Imports and Exports (Non-CSS) and an officiating Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office expired on 26th June, 1977.

K. V. SESHADRI  
Chief Controller of Imports and Exports

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 17th August 1977

No. CER/6/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (4)/58 dated the 7th March, 1958.

In the Table appended to the said Notification in the column 2, after last entry against S. No. 1B, the following shall be added :—

- (XI) Joint Director of Industries
- (XII) Sr. District Industries Officers
- (XIII) District Industries Officers
- (XIV) Assistant District Industries Officers.

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER, SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 16th August 1977

No. 12(591)/68-Admn.(G)-Vol.III.—On reversion from deputation with the Gujarat Industrial Development Corporation, Ahmedabad, Shri G. C. Agarwal, assumed charge of the post of Deputy Director (Glass & Ceramics) in the Small Industries Service Institute, Kanpur on the afternoon of 27th June, 1977

V. VENKATRAYULU  
Deputy Director (Admn.)

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 20th August 1977

No. A-1/1(1014).—Shri K. S. Menon permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

KIRAT SINGH,  
for Deputy Director (Administration)  
Director General, Supplies & Disposals.

New Delhi-1, the 18th August 1977

No. A-1/1(887).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Srivastava, Assistant Director (Litigation) (Grade I) of this Directorate General to officiate as Deputy Director

(Litigation) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23-7-1977 and until further orders.

2. On his appointment as Deputy Director (Litigation), Shri N. K. Srivastava relinquished charge of the office of Asstt. Director (Litigation) (Grade I) and assumed charge of the office of Deputy Director (Litigation) in Dte. General of Supplies & Disposals on the forenoon of the 23rd July, 1977.

KIRAT SINGH  
Deputy Director (Administration)

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th August 1977

No. A-19012(56)/73-Estt.A.—On his reversion from the Hindustan Zinc Limited, Udaipur, Shri B. S. Rao, has reported for duty in the Indian Bureau of Mines as Assistant Research Officer (Ore Dressing) with effect from the forenoon of 23rd July, 1977.

L. C. RANDHIR  
Administrative Officer  
Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehradun, the 16th August 1977

No. C-5257/718A.—The undermentioned officiating Superintendents, Surveyor General's Office, are appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B') on *ad hoc* basis, in the Survey of India on pay of Rs. 840-00 p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as stated against each until further orders :—

Sl. No.	Name	With effect from	Office to which posted
	S/Shri		
1.	P.C. Jain	15-7-77 (FN)	South Eastern Circle Office, Bhubaneswar
2.	L. P. Kundalia	13-7-77 (FN)	Research and Development Wing (CST & MP) Hyderabad.

The 18th August, 1977

No. C-5260/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts) Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 with effect from the date as shown against each :—

Name and designation	Unit/Office	With effect from
1 Shri Khushal Singh Rawat, Draftsman Div. I, Sel. Gd.	No. 1 Drawing Office (M.P. Dte.) Dehradun.	1-7-77 (FN)
2. Shri M.S. Gorkha Survey Assistant, Sel. Gd.	No. 26 (Photo) Party, (NC) Dehra Dun.	5-7-77 (FN)

K. L. KHOSLA  
Major General  
Surveyor General of India.  
(Appointing Authority)

#### DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 12th August 1977

No. 5/44/68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Arun Kumar Tiwari as Programme Executive, All India Radio, Rewa in a temporary capacity with effect from 29th June, 1977 and until further orders.

The 19th August 1977

No. 5/47/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pradip Jyoti Mohanta as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 2nd August, 1977 and until further orders.

No. 4/19/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Daulat Sakham Jiwane as Programme Executive, All India Radio Ambikapur in a temporary capacity with effect from 3rd August, 1977 and until further orders.

No. 4/7/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Daulat Sakham Jiwane as Programme Executive, All India Radio Ambikapur in a temporary capacity with effect from 3rd August, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 18th August 1977

No. 4/71/77-SI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri A. S. Sabharwal to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Kurseong with effect from 12-7-1977 (F/N).

HARJIT SINGH  
Dy. Director of Admn.,  
for Director General

New Delhi, the 20th August 1977

No. 2/42/60-SII-II.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri J. P. Gupta, Head Clerk, News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, External Services Division, AIR, New Delhi with effect from 5-8-1977 (A.N.) and until further orders.

S. V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 18th August 1977

No. 5/42/63-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri M. S. Patwari, Permanent Assistant Cameraman and Officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, New Delhi, to officiate as Cameraman in the Films Division, Bombay, from the forenoon of the 8th August, 1977, vice Shri Baldev Khosla, Permanent Assistant Cameraman and officiating Cameraman appointed as Chief Cameraman.

No. A-12025(ii)/1/77-Est.I.—Shri V. V. Joglekar, Permanent Branch Manager, Films Division, Bombay retired from service from the forenoon of the 1st August, 1977.

2. Shri I. T. Fernandes, Permanent Salesman, Distribution Branch Office, Bombay, has been appointed to officiate as Branch Manager from the forenoon of the 1st August, 1977 vice Shri Joglekar.

The 19th August 1977

No. A-20012/8/73-Est.I.—On expiry of the leave granted to Shri P. W. Baokar, Officiating Cameraman, Films Division, Bombay, Shri M. P. Sinha, Officiating Cameraman reverted to the post of Assistant Cameraman from the afternoon of the 30th July, 1977.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 12th August 1977

No. A. 38020/1/77-Est.—Shri J. K. Pathak, a permanent Senior Artist in the Directorate of Advertising & Visual Publicity expired on 12th July, 1977.

R. DEVASAR  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising & Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th August 1977

No. 9-33/75-CGHS.I.—Dr. (Mrs.) A. M. Joshi, relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician (*ad hoc*) in the Central Government Health Scheme, Bombay with effect from the afternoon of 13th July, 1977.

No. A.11017/2/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. B. S. Hatta to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme, at Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 15th April, 1977.

No. A.11017/4/76-CGHS.I.—Dr. (Miss) R. D. Tondon, Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Bombay relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 11th July, 1977.

No. A.11017/5/76-CGHS.I.—In continuation of notification No. A.11017/5/76-CGHS.I. dt. 2-7-77, the Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. B. Singh as Ayurvedic Physician on *ad-hoc* basis in the Central Govt. Health Scheme, Bangalore for a further period from 1-7-1977 till 31st September, 1977 or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

N. S. BHATIA  
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 10th August 1977

No. 33-15/75-Adm.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Km. Pushpa Devi Sharma to the post of Pharmaceutical Chemist in Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 30th June, 1977, on a temporary basis, and until further orders.

The 11th August 1977

No. A.12023/24/76(CRI)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Balbir Singh Nagpal, Section Officer in the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, to the post of Assistant Accounts Officer (Costing) in the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 6th July, 1977 and until further orders.

The 16th August 1977

No. 33-8/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. U. Manohar as Workshop Manager (Prosthetic) in the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of 27th June, 1977, in a temporary capacity, and until further orders.

No. A.12025/41/76(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Hansraj T. Kansara to the post of Health Education Officer, Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the forenoon of 30th July, 1977, in a temporary capacity until further orders.

2. Kumari Lakshmi Abhichandani relinquished charge of the post of Health Education Officer, Directorate General of Health Services on the forenoon of 30th July, 1977.

No. A.35014/2/77(CRI) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. S. Gupta, officiating Desk Officer, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), New Delhi to the post of Administrative Officer, Central Research Institute, Kasauli, on deputation basis with effect from the forenoon of 11th July, 1977 and until further orders.

Shri K. R. Ahuja relinquished charge of the post of Administrative Officer on the forenoon of 11th July, 1977 and proceeded on leave for 60 days with effect from that date.

The 19th August 1977

No. A.32014/4/77(NICD)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Wadhwa, Superintendent, National Malaria Eradication Programme, Delhi, to the post of Administrative Officer (NFCP) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, for a period of 31 days with effect from the forenoon of 26th July, 1977 to 25th August, 1977, in the leave vacancy of Shri Y. D. Mehta.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration

## MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

### (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

#### DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 10th August 1977

No. F.12-11/76-Estt.(I).—On the recommendation of D.P.C. Group 'B' of the Ministry of Agriculture & Irrigation, Department of Agriculture, Shri B. N. Chadha, presently officiating as Deputy Director (Admn.) on regular basis is appointed substantively to the permanent post of Assistant Administrative Officer, G. C. S. Group 'B' (Gazetted) (Ministerial) in the revised pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) w.e.f. 6-8-74.

The 16th August 1977

No. F.2-11/76-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointment of Shri P. C. Chaudhary on the post of Assistant Exhibition Officer (Grade I), G.C.S. Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, has been regularised with effect from 2nd August 1977.

No. F.2-6/77-Estt.(I).—Shri K. K. Sharma, Superintendent (Grade I), is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), purely on *ad-hoc* basis with effect from 11th August, 1977 upto 28-2-78 or until further orders whichever is earlier.

The 20th August 1977

No. F.2(10)/76-Estt.(I).—S/Shri S. L. Dhir and G. D. Gulati, Superintendents (Grade II) are promoted to officiate as Superintendents (Grade I) Group 'B' (Gazetted) (Ministerial) in the pay scale of Rs. 700-30-760-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), purely on *ad-hoc* basis with immediate effect upto 28th February, 1978.

CHANDRA PRAKASH  
Director of Administration

## OFFICE OF THE PRE-INVESTMENT SURVEY OF FISHING HARBOURS

Bangalore-52, the 20th August 1977

No. F.2-99/77-PEH.—Shri P. Gopalakrishnan, Office Superintendent, National Forest Resources Survey, Dehradun, is appointed as Administrative Officer in the Pre-Investment Survey of Fishing Harbours, Bangalore in a purely temporary capacity on the terms and conditions mentioned in the offer of appointment No. 1-3/77-PFH(C) dated 11th July, 1977, with effect from the forenoon of 16th August, 1977, until further orders.

N. P. BHAKTA  
Director

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 4th August 1977

No. NAPP/18/106/75-Admn.4774.—On his transfer from Heavy Water Project, Talcher, Director, Power Projects Engineering Division is pleased to appoint Shri P. K. Dutta, Scientific Officer/Engineer Grade SB (Civil) in the Narora Atomic Power Project at Narora in the same capacity with effect from forenoon of July 12, 1977 until further orders.

R. V. BAJPAI  
General Administrative Officer  
for Director, PPED

## DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 19th July 1977

Ref : MRPU:200(105)/77-Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri K. Unnikumar an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase & Stores, Transport & Clearance Wing of Madras Regional Purchase Unit as officiating Assistant Stores Officer in the same Unit with effect from the forenoon of June 18, 1977 to August 1, 1977.

S. RANGACHARY  
Purchase Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 13th August 1977

No. PAR/0704/1951.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. Rajagopalan, UDC to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, from 17-7-1977 to 31-8-1977 or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO  
Administrative Officer

## MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 18th July 1977

No. MAPP/8(16)/77-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division is pleased to appoint Shri K. R. Balasubramanian, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk as Assistant Personnel Officer in Madras Atomic Power Project on *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of June 20, 1977 to July 23, 1977 (AN), vice Shri M. D. Raghavan, granted leave.

The 21st July 1977

No. MAPP/3(1211)/77-Admn.—Director, Power Projects Engineering Division appoints S/Shri A. Kameswar Rao and V. Veerabrahmachari as Scientific Officer/Engineer SB in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 4, 1977 and June 6, 1977 respectively until further orders.

K. BALAKRISHNAN  
Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 15th August 1977

No. AMD/1/24/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. R. Balasubramanian, Permanent Upper Division Clerk in the BARC and officiating Selection Grade Clerk of Madras Atomic Power Project as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd August, 1977 until further orders.

S. RANGANATHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO:TAPP, 24th June 1977

No. TAPS/1/34(1)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri J. D. Santlani, a temporary Scientific Assistant 'C' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer (SB) in the same Power Station in temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1977.

D. V. MARKALE  
for Chief Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th August 1977

No. E(1)/00910.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. D. K. Tyagi as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in temporary capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1977 and until further orders.

Dr. Tyagi has been posted at the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)/04321.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. S. V. Rajagopalan, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 4th August 1977 to 31st October 1977.

Shri Rajagopalan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)/05539.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. U. Hingorani, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of FIFTY days with effect from the forenoon of 18th July 1977 to 5th September 1977.

Shri Hingorani, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)/05425.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories,

New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of the 4th August 1977 to 31st October 1977.

Shri Kundra, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)/06273.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. Anand Prakash, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 4th August 1977 to 31st October 1977.

Dr. Anand Prakash, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th August 1977

No. A-38012/3/77-ES.—On attaining the age of superannuation Shri I. S. Bhatnagar, Deputy Director (Examination) in the Office of the Director General of Civil Aviation relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th June, 1977.

V. V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 17th August 1977

No. A-12025/7/75-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Rajeev Kapur as Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 18th July, 1977 and until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Delhi Region, New Delhi.

The 19th August 1977

No. A.32013/13/76-ES.—The President is pleased to appoint Shri T. K. K. Nair to officiate as Controller of Aeronautical Inspection on regular basis and until further orders wef 4th July, 1977 (FN) and to post him at Calcutta.

V. V. JOHRI  
Asstt. Dir. Admn.

New Delhi, the 4th August 1977

No. A-32013/4/76-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on an ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointments are made whichever is earlier, with effect from the date indicated against each and to post them at the stations indicated against each :—

S. No.	Name, designation	Present, stn. of posting	Station to which posted	Date of assumption of charge
1	2	3	4	5
1.	Shri M. K. Pal, Assistant Technical Officer	A.C.S. Calcutta	A.C.S. Calcutta	9-4-76 (FN)
2.	Shri A.N. Srivastava, Asstt. Technical Officer	R.C. & D.U. N. Delhi	R.C. & D.U. N. Delhi	7-4-76 (FN)

The 12th August 1977

No. A.38012/4/76-EA.—Shri J. N. Moses, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras, retired from Gov-

ernment Service on the 31st July, 1977 (AN) on attaining the age of superannuation.



No.A.32013/6/77-EC—The President is pleased to appoint the following Technical Officer to the grade of Senior Technical Officer purely on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and upto the 28-10-1977 or till the regular appointment to the grade are made whichever is earlier and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Date from which taken charge of the higher post	Station to which posted.	Period of ad-hoc promotion
1	2	3	4	5	6
1.	Sh A.G. Narasingham	RC &DU New Delhi	30-4-77 (FN)	R.C. & DU New Delhi.	28-10-77
2.	Shri A. Jagdesan	A.C.S Safdarjung Airport, New Delhi	5-5-77 (FN)	A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi.	28-10-77
3.	Shri M.M. Poulse	A.C.S. Calcutta Airport, Calutta	1-5-77 (FN)	A.C.S. Calcutta Airport, Calcutta.	28-10-77
4.	Shri K. Surender	A.C.S. Bombay	30-5-77 (FN)	A.C.S. Bombay.	28-10-77

(This Department Notifications number A. 32013/6/77-EC dated the 7/8th June, 1977 and 27-6-1977 are hereby cancelled.)

P.C. JAIN,  
Assistant Director (Admn)

### VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 17th August 1977

No. 16/245/75-Ests.I.—Consequent upon acceptance of his resignation from Maharashtra Forest Service with effect from 1-9-1976, the Services of Shri S. L. Arora, Assistant Instructor, Eastern Forest Rangers College, Kurseong, have been deemed to have been replaced at the disposal of State Government from the afternoon of 31st August, 1976.

P. R. K. BHATNAGAR

Kul Sachiv

Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Office of the Collector of Central Excise & Customs, Patna

Patna, the 20th August 1977

No. II(7) 1-ET/77/10036—The following Supdt. Group 'B' of Central Excise & Customs, Collectorate, Patna have retired from service on superannuation with effect from the dates and hours as indicated against each :—

Sl. No.	Name	Date of superannuation
1	2	3
S/Shri		
1.	K.D. Roy	30-6-77 (A.N.)
2.	Ramchand Prasad	30-6-77 (A.N.)
3.	D.N. Ganguly	31-7-77 (A.N.)
4.	Digambar Singh	31-7-77 (A.N.)

H.N. Sahu  
Collector  
Central Excise, Patna

### OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE GUNTUR

Central Excise Department

Guntur, the 14th July 1977

No. I/77—The following Officiating Office Superintendents of Central Excise have been appointed until further orders to officiate as Assistant Chief Accounts Officer/Administrative Officers of Central Excise, Class II They have assumed charge as Assistant Chief Accounts Officer/Administrative Officers Central Excise, Class-II on the dates and at

11—236GI/77

the places shown against each :

Sl. No.	Name of the Officer/Designation	Station	Date of Assumption of charge as A.C.A.O./A.O.s Class II
1	2	3	4
S/Shri			
1.	M.S. Sastri, ACA.O.II.	Hqrs. Office, Guntur	3-1-77
2.	G Sundarsana Rao A.O.	IDO II Guntur,	24-1-77
3.	K. Dasaradhu, A.O.	IDO II Visakhapatnam.	1-2-77

No. 2/77—The following permanent Senior Grade Inspectors of Central Excise, have been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Class-II in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise Class II on the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Supdt. of Central Excise, Class II
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Md. Karimuddin	MOR III Guntur	31-12-76
2.	Shaik Hussain	IDO Vijayawada	12-1-77
3.	S.K. Kanakacharyulu	IDO Rajamundry	8-2-77
4.	G. Anjaneyulu	IDO Ongole	21-1-77
5.	C. Srikrishna Murthy	IDO II Guntur	22-1-77
6.	M. Panchamukheswara Sarma	Rural MOR Eluru	21-3-77
7.	Ravula Satyanarayana.	IDO II Visakhapatnam	11-5-77
8.	B.V. Murthandara	IDO Ongole	5-5-77
9.	S. Vijayarama Rao	IDO Vijayawada	5-5-77
10.	P. Joga Rao	MOR Narasarpot	9-5-77
11.	T. Suryarao	IDO. Visakhapatnam	2-5-77
12.	M. Ramakrishna	IDO Rajamundry	12-5-77
13.	P.L. Abraham	MOR Revinuthala	4-6-77
14.	A. Suryaprakasara	MOR Mangalagiri	30-4-77
15.	R.V. Subbarao	MOR. I Vijayawada	12-5-77
16.	J. Srinivasarao	MOR Kandukuru	8-6-77
17.	Ch. Srihari Rao	IDO II Guntur	6-6-77

No. 3/77—The following Superintendents of Central Excise, Class-II retired from Service on attaining the age of Superannuation with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Permt./Offg.	Station	Date of retirement from service.
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	C.K. Basha	Permt.	MOR Kothapata	28-2-77 A.N.
2.	C. Narayana Rao	Permt.	IDO Ongole	31-3-77 A.N.
3.	R.M. Venkannarao	Offg.	Hqrs. Office, Guntur	31-5-77 A.N. (*)
4.	Shri C. Kamal Singh	Permt.	MOR Kanchikacharla	30-6-77 A.N.
5.	S.A. Samad	Permt.	MOR IV Guntur	Proceeded on LPR w.e.f. 22-4-77 A.N. considered to have retired from service w.e.f. 30-6-77 A.N.

(\*) Proceeded on L.P.R. w.e.f. 10-5-77 and considered to have retired from service with effect from 31-5-77 A.N.

No. 4/77—The following Superintendents of Central Excise, Group 'B' expired on the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Permt./Offg.	Station	Date of Expiry
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	P. Polaiiah	Permanent	Rural MOR Eluru	2-3-1977
2.	M.M. Rhman	Officiating	IDO I, Guntur	4-4-1977

C. BHUJANGSWAMY  
Collector

Nagpur, the 12th August 1977

No. 32—Consequent upon the bifurcation of Central Excise Collectorate, Madhya Pradesh and Vidarbha, Nagpur into two different Collectorates (Viz. Collectorate, Central Excise, Madhya Pradesh, Indore, and Collectorate, Central Excise, Nagpur) and shifting of the Headquarter office of Madhya Pradesh Collectorate at Indore w.e.f. 21-7-77, the following officers of Central Excise Group 'A' have assumed their charges on their transfer in the Collectorate of Central Excise Nagpur w.e.f. the dates shown against their names —

S. No.	Name of Officer with previous posting	Present posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	D.P. Mathur, A.C. (H), C. Ex. Collectorate, M.P. & Vidarbha, Nagpur.	A.C. (H) C. Ex. Collectorate, Nagpur.	11-7-77 (A.N.)
2.	K.S. Rao, Asstt. Collr. (T), C. Ex. Hqrs. Office, M.P. & Vidarbha Co'te, Nagpur	Asstt. Collector (T)/(Val)/(Prev.)/(Audit), C. Ex. Co'te Hqrs. Office, Nagpur	11-7-77 (A.N.)
3.	N.S. Dixit, Asstt. Collr. (L.R.) C. Ex. Hqrs. Office, M.P. & Vidarbha Co'te, Nagpur	Asstt. Collector (L.R.) C. Ex. Co'te Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 (A.N.)
4.	Shri R.S. Beraar, Chief Accts. Officer, C. Ex Co'te, M.P. & Vidarbha, Nagpur.	(i) Chief Accts. Officer (Rev.) C. Ex. Co'te, Nagpur. (ii) Chief Accts. Officer, (Rev.) C. Ex. Co'te, M.P. in addition to the aforesaid charge.	11-7-77 (A.N.)

The 16th August 1977

No. 27.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri S. S. Khan, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) has assumed the charge of Superintendent of Central Excise M.O.R.I., Jabalpur in the forenoon of 27-6-1977.

No. 28.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri S. S. Khan, lately posted as Superintendent, Central Excise, Group 'B' has assumed the

charge of Superintendent, Central Excise, Group 'A' Division Office, Gwalior, in the forenoon of 1st April, 1977.

No. 29.—Shri A. K. Khan, Superintendent, Central Excise, Group 'B' in Nagpur Collectorate, who has already attained the age of 55 years has been retired from Government service under Clause (i) (ii) of Rule 56 of the Fundamental Rules, in the afternoon of 22nd of June 1977.

No. 30.—Shri L. L. Malviya, Superintendent, Central Excise, Group 'B' in Nagpur Collectorate having attained the age of superannuation has been retired from Government service in the afternoon of 30-6-77.

The 17th August 1977

No. 33—Consequent upon the bifurcation of Central Excise Collectorate, Madhya Pradesh and Vidarbha, Nagpur into two different Collectorates (Viz. Collectorate Central Excise, Madhya Pradesh, Indore and Collectorate Central Excise, Nagpur) and shifting of the Hqrs. Office, of Madhya Pradesh Collectorate at Indore w.e.f. 21-7-77, the following officers of Central Excise Group 'B' have assumed their charges on their transfer in the Collectorate of Central Excise, Nagpur w.e.f. the dates shown against their names :—

S. No.	Name of officer with previous posting	Present posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	V.M. Bhoiraj, Asstt. Chief Accts. Officer, C. Ex. Hqrs. Office, M.P. & Vidarbha Collectorate, Nagpur.	Asstt. Chief Accts. Officer, Hqrs. Office of Nagpur Collectorate	11-7-77 A.N.
2.	K.V. Motiani, Adm. Officer (H) C. Ex. Hqrs. Office, M. P. & Vidarbha Co'te, Nagpur.	Adm. Officer (H) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur Collectorate.	11-7-77 A.N.

The 18th August 1977

No. 31—Consequent upon the bifurcation of Central Excise Collectorate, Madhya Pradesh and Vidarbha, Nagpur into two different Collectorates (Viz. Collectorate, Central Excise, Madhya Pradesh, Indore and Collectorate, Central Excise, Nagpur) and shifting of the Headquarters of M.P. Collectorate at Indore w.e.f. 21-7-77, the following Superintendents of Central excise Group 'B' have assumed their charges on their transfer in the Collectorate of Central Excise, Nagpur w.e.f. the dates shown against their names :—

S. No.	Name of officer	Charge held	Date
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	M.B. Laturkar, Supdt. C. Ex. M.P. & Vidarbha Co'te, Nagpur.	Supdt. (Statistic) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 A.N.
2.	K.E. Sanjana, Supdt. (Prev.) M.P. & Vidarbha, C. Ex. Co'te, Nagpur.	Supdt. (Prev.) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 A.N.
3.	M.A.H. Khan, Supdt. (Prev.) M.P. & Vidarbha, C. Ex. Co'te, Nagpur.	Do.	11-7-77 A.N.
4.	M.S. Ghanekar, Supdt. (Val.) M.P. & Vidarbha, C. Ex. Co'te, Nagpur.	Supdt. (Vig.) & (O&M) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 A.N.
5.	W.M. Deshpande, Supdt. (Val.) M.P. & Vidarbha, C. Ex. Co'te, Nagpur.	Examiner of Accounts C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 A.N.
6.	M.R. Shirlekar, Supdt. (O&M) M.P. & Vidarbha C. Ex. Co'te, Nagpur.	Supdt. (Prev.) C. Ex. Divn-II, Nagpur.	11-7-77 A.N.
7.	S.S. Joshi Supdt. (Val.) M.P. & Vidarbha C. Ex. Co'te, Nagpur.	Supdt. (Val.) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 A.N.
8.	M.A. Kaorey, Supdt. (Val.) M.P. & Vidarbha C. Ex. Co'te, Nagpur.	Supdt. (Legal & Gold) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur.	11-7-77 A.N.
9.	A.B. Kulkarni, Supdt. (Prev.) M.P. & Vidarbha, C. Ex. Co'te, Nagpur.	Supdt. (Prev.) C. Ex. Hqrs. Nagpur.	12-7-77 A.N.

M.S. BINDRA  
Collector

#### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th August 1977

No. 7/77.—On reversion from deputation, Shri B. B. Sharma lately posted as Assistant Director in the Enforcement Directorate, Delhi, assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, at New Delhi on 1-8-77 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN  
Director of Inspection

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 20th August 1977

No. A-19012/625/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. K. Pradhan, Supervisor (Electrical) under the Government of Sikkim, as Assistant Engineer (Electrical) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* basis for a period of two years w.e.f. the forenoon of 13-4-76 to 12-4-78.

Shri R. K. Pradhan, assumed charge of the post of Assistant Engineer in the office of Lower Lagyap Elect. Sub-Division No. II, Ranipul (Sikkim) w.e.f. 13-4-76.

J. K. SAHA, Under Secy.  
for Chairman.

2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

J. K. SAHA, Under Secy.

New Delhi-110022, the 16th August 1977

No. A-32014/1/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Officers to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a regular basis, in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June, 1977, until further orders :—

S. No. Name of Officer

1. Shri P. S. Arvindakshan
2. Shri S. C. Talukdar
3. Shri Rattan Singh

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 16th August 1977

No. 27-AEE/N(1)/75-ECII.—The President is pleased to accept the resignation from service, tendered in June 1977, by Shri G. Nelson Raj, a temporary Assistant Executive Engineer (Elect.) attached to Electrical Division No. III, CPWD, New Delhi, with effect from 21-7-77 (AN).

2 Shri Nelson Raj has no connection whatsoever with this Department from that date.

The 19th August 1977

No. 23/2/77-ECII.—The following officers of Central P.W.D. on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Govt. Service with effect from the date shown against each.

Sl. No.	Name	Date of birth	Date of retirement	Present Post held
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. B. M. Gupta	. . . . .	1-6-1919	31-5-77	Executive Engineer (civil), Office of SDO (Food/CPWD), New Delhi.
2. A. C. Aggarwal	. . . . .	1-6-1919	31-5-77	Executive Engineer (Civil) on deputation to All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.
3. K. K. Gupta	. . . . .	15-6-1919	30-6-77	Executive Engineer (Valuation), Income Tax Department, Unit at Jamshedpur.
4. P. N. Rao	. . . . .	15-6-1919	30-6-77	Executive Engineer (Valuation) Income Tax Department Unit No. III, New Delhi.
5. P. S. Kalhan	. . . . .	13-7-1919	31-7-77	Executive Engineer (Civil), 'H' Division, C.P.W.D., New Delhi.

S. S. P. RAU,  
Dy. Director of Adm.  
for Engineer-in-Chief

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s Joint Financiers Pvt. Ltd.

Delhi, the 10th August 1977

No. Co. Lign/2493/14659.—By an order dated the 10-9-71 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Joint Financiers Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Shivanand and Company Private Limited  
Jaipur

Jaipur, the 10th August 1977

No. STAT/1366.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Shivanand and Company Private Ltd. Jaipur unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies  
Rajasthan, Jaipur.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Garhwal Rosin Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7515/2071-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of the Garhwal Rosin Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Jan Kalyan Trading and Credit Finance Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7516/3187-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jan Kalyan Trading & Credit Finance Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Swans Chit Fund Pvt. Ltd.*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7517/2880-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Swans Chit Fund Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
U.P. Aluminium Corporation Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7518/2723-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the U.P. Aluminium Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Diwan Gokulchand Kapur and Sons (B. S.) Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7524/2011-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Diwan Gokulchand Kapur and Sons (B.S.) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Flora Finance and Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7524/2994/LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Flora Finance and Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Upma Prakashan Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7547/2997-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Upma Prakashan Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Doon Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7547A/2987-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Doon Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
U.P. PVC Industries Pvt. Limited*

Kanpur, the 18th August 1977

No. 7547-B/3302-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the U.P. PVC Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
the U.P. Imports & Exports Pvt. Limited*

Kanpur, the 19th August 1977

No. 7571/1447-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the U.P. Imports & Exports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Thadani Industries Private Limited*

Kanpur, the 19th August 1977

No. 7572/2778-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Thadani Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Indra Chemical and Metal Industries Private Limited*

Kanpur, the 19th August 1977

No. 7573/3231-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Indra Chemical and Metal Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Shiva Lal Agarwala & Company Private Limited*

Kanpur, the 20th August 1977

No. 7607/1113-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shiva Lal Agarwala & Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Dalmia Chit Fund & Investments Private Limited*

Kanpur, the 20th August 1977

No. 7608/3163-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dalmia Chit Fund & Investments Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN  
Registrar of Companies, U.P.  
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Raigarh Industries Private Limited.*

Gwalior, the 18th August 1977

No. 899/PS/2400.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof unless cause is shown to the contrary, the name of Raigarh Industries Private Limited, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Madhya Pradesh Paper Mills Limited.*

Gwalior the 18th August 1977

No. 898/PS/2402.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof unless cause is shown to the contrary, the name of the Madhya Pradesh Paper Mills Limited, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

J. R. BOHRA,  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Shree Bharat Hand Weaving Mills Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 19th August 1977

No. 1729/Liquidation.—By an order dated 21st June 1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 9 of 1976 it has been ordered to wind up M/s. Shree Bharat Hand Weaving Mills Pvt. Ltd.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bhopal, the 30th May, 1977

(INCOME-TAX)

No. 6/IT/MP-II/77—In exercise of the powers conferred on him by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 and all other powers enabling him in this behalf and in supersession of all the previous orders on this subject, the Commissioner of Income-tax, MP-II, Bhopal hereby directs that the Income-tax Officers shown in column 3 of the Schedule below shall exercise powers of an Income-tax Officer in respect of the areas, persons or classes of persons, income of classes of income and/or cases or classes of cases falling within the jurisdiction shown against them in column 4 of the Schedule below other than those whose cases have been specifically transferred u/s 5(7A) of the Income-tax Act, 1922 or u/s 128 of the Income-tax Act, 1961 to any other Income-tax Officer.

SCHEDULE

S. No.	Name of circle	Designation of the ITO	Jurisdiction.
1	2	3	4
1.	Raigarh Circle	Income-tax Officer A-Ward Raigarh.	(1) All Government servants under the audit control of the Accountant General, Madhya Pradesh who are posted in the Districts of Raigarh and Surguja.

1	2	3	4
---	---	---	---

(2) All persons other than :—

(a) Limited Companies and their Directors, Managers, Principals, officers, Secretaries & Treasurers.

(b) Private salary earners and

(c) Refundees, within the areas comprising of Raigarh and Surguja districts :—

(i) whose last assessed income as determined by the ITO before 1-4-77 exceeds Rs. 25,000/-

or

(ii) Where no assessment has been made till 1-4-77 but a return has been filed before 31-3-77, the total income as per any such return exceeds Rs. 25,000 or

(iii) Where no assessment has been made till 31-3-1977 and no return has been filed before 1-4-77, the first return filed after 31-3-77 declares a total income exceeding Rs. 25,000/-

(3) All cases specifically assigned u/s 5 (7A)/127 of the Indian IT Act, 1922/IT Act, 1961.

2. Raigarh Circle, Income-tax Officer, B-Ward, Raigarh.

(1) All private salary earners and refundees in Raigarh and Surguja districts.

(2) All persons other than :—

(a) Limited Companies and their Director, Managing Agents,

1	2	3	4
			Managers, Principal Officers, Secretaries & Treasurers.
			(b) Government servants :— within the area comprising of Raigarh and Surguja districts :
			(i) whose last assessed in- come as determined by the ITO before 1-4-77, does not ex- ceed Rs. 25,000/- or
			(ii) where no as- sessment has been made till 31-3-77 but a return has been filed before 1-4-77, the total in- come as per any such re- turn does not exceed Rs. 25,000/- or
			(iii) where no assessment has been made till 31-3-77 and no return has been filed before 1-4-77, the first re- turn filed after 31-3-77 declaring to- tal income not ex- ceeding Rs. 25,000/-.

1	2	3	4
			(3) All cases speci- fically assigned u/s 5 (7A)/ 127 of the Indian IT Act, 1922 / IT Act, 1961.
			For the purpose of this notification :—
			(1) Private salary earner means a person who is em- ployed by persons other than Central or State Govt. and who is not carrying on any business or profes- sion.
			(2) Refundee means a person other than a salaried em- ployee who is not carrying on any business or pro- fession and whose income as per return does not exceed the Minimum Exemption Limit under the IT Act, 1961.
			(3) Where two or more returns are filed simultaneously after 31st March 1977, the return declaring the high- est total income shall be deemed to have been filed first.
			(4) The ITOs holding jurisdiction over a firm's case shall also hold jurisdiction over its all partners' cases irrespective of any income limit or area and where such partner or partners is/are was/were partner/ partners in more than one firm, the jurisdiction over which is held by different ITOs, the ITO whose name appears first in the relevant notification having juris- diction over a firm's case shall hold jurisdiction over all such partners' cases and where any assessee is a partner in more than one firm assessable in the differ- ent circles, the ITO in whose jurisdiction such assessee resides and holds jurisdiction over any of such firms shall hold jurisdiction over such assessee. For this purpose, the ITO would mean the ITO having jurisdiction over a firm's case whose name appears first in the jurisdiction Notification issued u/s 124 in respect of a particular circle.
			(5) Where there is reason to believe that the total income of an assessee is above Rs. 25,000/-, ITO 'A'-Ward, Raigarh and where there is reason to believe that the total income of an assessee is below Rs. 25,000/-, the ITO 'B'-Ward, Raigarh will exercise the powers U/s 139(2)/147/148/133 & 133-A.
			This Notification shall come into force from 1st June, 1977.
			(Sd.) G. S. BASANTI Commissioner of Income Tax, M.P.L., Bhopal.

New Delhi, the 29th July, 1977

ORDER NO. 60/GO.

1977—78

Subject :—Establishment—Gazetted—Postings &amp; Transfers of Income-tax officers.

No. EST.I/Post Tr./ITOs/77-78/Pt.II/13534—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date they take over as such by relieving the officers in whose places they have been posted and until further orders :—

- (i) Shri R. K. Garg
- (ii) Shri P.N. Hiranandani

2. These promotions are being made against the vacancies caused by :—

- (i) Officer missing without intimation
- (ii) Officer under suspension

It is clarified that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the officers concerned the promoted officers will have to revert to the post of Inspector if there is no other regular vacancy at that time.

Shri Surjeet Singh and Shri B. P. Ojha promoted earlier against these vacancies are now posted against the two clear vacancies caused by the transfer of two ITOs as ITOs Inspection.

Consequent upon these promotions, the following transfers and postings are ordered with immediate effect.

Sl. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	R.K. Garg	On Promotion	ITO P.S.C.-VI	vice Sh. M.P. Rana, transferred.
2.	M.P. Rana	ITO PSC VI	ITO II (16)	vice Sh. D.P. Khara transferred.
3.	D.P. Khara	ITO II (16)	ITO-206 (Addl. III Sal. Circle)	vice Sh. B.N. Jain transferred.
4.	B.N. Jain	ITO-206 (Addl. III Sal. Circle)	Placed at the disposal of CIT-V.	—
5.	P.N. Hiranandani	On promotion	P.R.O.	vice Sh. J.R. Punia, transferred.
6.	J.R. Punia	P.R.O.	ITO C.A. Circle	Vice, miss Rupinder Chawla, transferred
7.	Miss Rupinder Chawla	ITO CA Circle	ITO V(1) & V (10)	Relieving Sh. S. L. Thukral of addl. charge.
8.	Shri S.S. Pushkarana	ITO (S&P)	ITO Doctor Circle-I.	vice Miss Santosh Sharma transferred.
9.	Miss Santosh Sharma	ITO Doctor Circle-I	ITO II (18)	Relieving Sh. N. K. Shrama of addl. charge.
10.	Shri S.M. Sethi	ITO Co. Circle-XX	ITO III (11)	vice Sh. Kuldip Singh transferred.
11.	Shri Kuldip Singh	ITO III (11)	ITO (S&P)	vice Sh. S.S. Pushkarana transferred.

Shri D.K. Gupta, ITO Circle XIII will hold additional charge of ITO Co. Circle XX in addition to his own duties.

As regards the posting of Shri S.M. Sethi, ITO Company Circle-XX these orders are passed in supersession of this office order No. Estt I/Post. Tr ITOs/77-78/Pt.II/12248 dated 16th July, 1977.

JAGDISH CHAND  
Commissioner of Income Tax,  
Delhi : I New Delhi.

New Delhi, the 2nd August 1977

Order No. 61/GO.

1977—78

Subject :—Establishment—Gazetted—Promotions—Postings and Transfers of Income-tax Officers.

No. Estt I/Post-Transfer/I.T.O.s/77-78/Vol.II/13876—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200, with effect from the date they take over as such by relieving the officers in whose place they have been posted and until further orders :—

1. Sheela Kalra (Mrs.)
2. Sh. P. P. Bhatnagar (II)-
3. Sh. M.N. Chopra
4. Sh. D.S. Sallan

2. These promotions as are being made against the vacancies caused by :—

- (i) Two clear vacancies.
- (ii) Officer missing without intimation.
- (iii) Officer under suspension.

It is clarified that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the Officers concerned the last two promoted officers will have to revert to the post of Inspector if there is no other regular vacancy at that time.

Six Shri R.K. Garg and P.N. Hiranandani promoted earlier against these vacancies are posted against two clear vacancies.



3. Consequent upon these promotions, the following postings and transfers are ordered with immediate effect :—

Sl. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Vimal Vashisht (Mrs.)	I.T.O. Distt. VIII (4)	I.T.O. Coy. Cir. XV.	Vice Sh. P. L. Rajpal transferred as A.D.I.
2.	Sheela Kalra (Mrs.)	Promotee	Services placed at the disposal of C.I.T. (III)	
3.	Sunita Ganda (Miss)	I.T.O. Distt. X (11)	I.T.O. Coy. Cir. XII.	Vice Sh. S. K. Bhardwaj transferred.
4.	Shri M. N. Chopra	Promotee	Services placed at the disposal of C.I.T. (III)	
5.	Shri Achal Singh	I.T.O. Spl. Cir. VIII	I.T.O. Coy. Cir. XVI	Vice Sh. A.R. Malhotra transferred as ADI.
6.	Shri D. S. Sallan	Promotee	Services placed at the disposal of C.I.T. (V)	
7.	Shri P. P. Bhatnagar (II)	Promotee	Services placed at the disposal of C.I.T. (II)	

K. N. BUTANI,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi I; New Delhi

New Delhi, the 4th August 1977

#### INCOME-TAX

No. JUR-DLI/V/77-78/21408.—In exercise of the powers conferred by sub-section 1 & 2 of section 124 of I.T. Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, C.I.T. Delhi-V hereby directs that the I.T.O. Distt. II (5) shall have concurrent jurisdiction with ITOs II (14) and II (16) in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorises the I.A.C. V-A to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of section 124 of the I. T. Act 1961.

This notification shall take effect from 16th August 1977.

F. No. JUR-DLI/V/77-78/21298.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 2nd August 1977.

Distt. I(3) & I(4), New Delhi.

No. JUR-DLI/V/77-78/21308.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby

directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, mentioned in column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said schedule :—

#### SCHEDULE

Range	Income-tax Distt/Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-D, New Delhi.	(i) Distt. II (3) II (9) (10), II(11) Addl. & II (15), New Delhi. (ii) Distt. I (1), I (2), I (2) Addl. I (3), I (4), New Delhi. (iii) Doctors' Circle-I & II, New Delhi. (iv) Distt. IV (4) New Delhi.

This notification shall take effect from 2-8-1977.

K. R. RAGHVAN,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-V, New Delhi.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 27th August 1977

Ref. No. IAC/Acq-II/1271/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1580 situated at Ganeshpura A, Tri Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-1-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Manjit Singh, Sh. Harbajan Singh, sons of Sh. Nand Singh, r/o 1599, Tri Nagar, Delhi through their Sp. attorney Sh. Arjun Singh, S/o Sh. Gulraj Singh r/o 1901, Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri R. M. Gupta, S/o Sh. Mange Ram, 1515, Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house constructed on a land measuring 100 sq. yds. bearing Municipal No. 1580, situated at Ganeshpura A, Tri Nagar, Delhi & bounded as under:—

North : House No. 1588.  
South : H. No. 1583.  
East : Road 30 ft.  
West : Other's property.

A. L. SUD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 27-8-1977.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Devki Bai w/o Sh. Jai Krishna, through G. Attorney Sh. Jai Krishna Gangwani, S/o Sh. Pratap Rai Gangwani, 26A, Grant Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 27th August 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1272/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/10 situated at West Patel Nagar, New Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 12-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Krishan Lal Anand, Jagdish Lal Anand and Sh. Ashwani Kumar Anand, 15/10, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Shri G. N. Aggarwal & Sh. Parkash Aggarwal,  
2. Sh. Kishan Chand Dalwani.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storied house constructed on plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. 15/10 situated at West Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : House No. 15/9.  
South : House No. 15/11.  
East : Road 25' wide.  
West : Service Road 25' wide.

A. L. SUD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 27-8-1977.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 27th August 1977

Ref. No. IAC/Acq./II/1273/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Cottage No. 12 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in Feb. 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Dass, S/o Sh. Mehta Ram Lubhaya,  
Cottage No. 12, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Miglani, S/o Sh. Phiraya Lal Miglani,  
Cottage No. 12, West Patel Nagar, Delhi, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Cottage No. 12 West Patel Nagar, New Delhi with leasehold rights of the land measuring 319 sq. yds. under the said cottage alongwith super-structures and bounded as under :—

North : Street.

South : Road.

East : Cottage No. 13.

West : Cottage Plot No. 11.

A. L. SUD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 27-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jiwan Dass Malik, s/o Shri Karam Chand.  
r/o. 33/5, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rama Nand, s/o Shri Kanshi Ram, r/o. 94-B,  
G. T. Road, Azadpur, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 29th August 1977

Ref. No. II/Acq.II/1274/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing 233 situated at Kewal Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold plot of land No. 233, also known as Now No. 156/233, area 220.4 sq. yds. out of Khasra No. 26, situated in the area of Village Azadpur, in Kewal Park, Delhi and bounded as under :—

East : Passage 15 ft.  
West : Road 30 ft.  
North : Plot No. 234.  
South : Plot No. 232.

A. L. SUD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 29-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gurmukh Dass S/o Sh. Bhagwan Singh, XVI/59, Joshi Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satpal S/o Sh. Girdhari Lal, XVI/59, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(11000)

New Delhi, the 26th August 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/Jan/253/592(1)/76-77.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/59 situated at Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 18-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2½ storied house constructed on a plot of land measuring 111 sq. yds. bearing No. XVI/59 in Block 'AC' situated at Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.  
North : Gali.  
South : Gali.  
East : Property of Khasra 1025/601.  
West : Property of Khasra No. 602/405.

A. L. SUD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-8-1977.  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Suhagwanti, w/o Sh. Sujan Singh, B-26, Kacha Tihar, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Sh. Prahlad S/o Sh. Jasumal, r/o 16B/2, Dev Nagar, New Delhi; (2) Smt. Kaushalya Devi, w/o Sh. Desh Raj, r/o 14/82, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 29th August 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/January/1258(3)/76-77/254.—Whereas, I. A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ/67/A/1 situated at Meenakashi Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. WZ/67/A/1 constructed on land measuring 270 sq. yds. situated at Meenakashi Garden, area of Village Tihar, Delhi State, Delhi & bounded as under :—  
North : Passage. South : Property No. 152.  
East : Shop Plot No. 56 to 59.  
West : Plot No. 131.

A. L. SUD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-8-1977.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. B. Manshoramani, S/o Dewan Bhagwan Dass, r/o J-21, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrik Singh, S/o Sh. Lal Singh, DE-145, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 29th August 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/255/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-145, Block-D, situated at Tagore Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. E-145, situated in Block-D of Tagore Garden, New Delhi.

A. L. SUD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 29-8-1977.

Seal :



## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 26th August 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/256/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-10/15 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—236GL77

(1) Shri Piara Singh, S/o Sh. Saudagar Singh, J-11/129, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj, Yash Pal and Madan Gopal S/o Sohanlal, r.o 65/26, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house constructed on a plot of land measuring 272.2 sq. yds. bearing Plot No. 15 Block J-10 situated in Rajouri Garden, New Delhi.

A. L. SUD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III,

Delhi/New Delhi

Date : 26-8-1977.

Seal :

FORM ITNS- ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1977

Ref. No. 96-M/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 195/49 situated at Jagat Narain Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 10-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Akramuddin Ahmad, Shahabuddin Ahmad Basouddin,

(Transferor)

(2) Shri Museer Ahmad Lari

(Transferee)

(3) Shri Vayan

(Person in occupation of the property)

(4) Shri None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 195/49 situated at Jagat Narain Road, Lucknow.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 19-8-1977

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 19th August 1977

Ref. No. III-260/Acq/77-78/994.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 129, H. No. 17 situated at Musium Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Patna on 14-12-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Akhileswar Pd. Sinha S/o. Shri Badri Narain Sinha of Chandauli, P. S. Belsand, Dt. Sitamarhi, presently at Registrar, Agriculture University Pusa Dt. Samashipur.

(Transferor)

(2) Shri Ramdeo Singh S/o Sri Bhubneswar Singh At Ramnagar, P.S. Katra, Dt. Muzaffarpur Presently at Musium Road, Patna-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land area 15 dhur at musium Road, Patna-1, Cr. No. 5, plot No. 129, H. No. 17, W. No. 1 as described in sale deed No-6415 dated 14-12-76.

J. NATH

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 19-8-77  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 18th August 1977

C. R. No. 62/7499/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 557/B, 9th cross, 7th Block West, Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 1590/76-77, on 13.12.76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri V. Krishna Mai-Pady S/o. Sri Seshagiri Mai-Pady, Manager, Canara Bank, Karelhalli, Hassan Dist.

(Transferor)

(2) Sri T. Ranganath S/o. late H. Thammaiah, No. 29, Rastreeya Vidyalaya road, V. V. Puram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1590/76.77. dt. 13.12.76.]  
House No. 557/B, 9th Cross, 7th Block West, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries;

E. Premises No. 557/A.

W. -do- 557/C.

S. -do- 567 and

N. C.I.T.B. road.

J. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18.8.77

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 22nd August 1977

C.R.No. 62/8028/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 (Old No. 872) East Park road, 18th cross, Malleswaram, Bangalore-3, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-Doc. No. 1860/76-77, on 30-12-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. B. M. Ramakrishna S/o Malige Dodda Muniswamaiah, residing at 97, Shoreview Drive, Yenkers, New York 10710, U.S.A. rep. by his P.A. holder Sri S. Nanda Kumar, S/o K. V. Subbaiah, residing at 14, Block, XII K. P. West, Bangalore-20.

(Transferor)

(2) Shri B. T. Patil, Joint Registrar of Co-operative Societies, Bangalore-20 or H. No. 30, East Park road, 18th cross Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1860/76-77 dt. 30-12-76]  
Main bungalow known as "Jaya vilas" bearing No. 30, (Old 872), East Park road, 18th cross, Malleswaram, Bangalore-3.  
Boundaries;  
East : East park road.  
West : Property belonging to Mr. V. Nagarajan and Smt. Jayamma.  
North : 18th cross road and  
South : house belonging to late R. Ramaiah Naidu.

J. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-8-77

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rameshchandra Thakordas Halvawala Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babubhai Chhotalal Shah, Pipla Sheri, Mahidharpura, Surat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II.

Ahmedabad-380009, 19th August 1977

Ref. No. P.R. No. 518 Acq. 23-904/19-7/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 368, Plot No. 2, T. P. No. 4 situated at Katargam, near Mahadevnagar Industrial Coop. Society, Varachha Rd. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 368 Paiki, plot No. 2, situated at Katargam, near Mahadevnagar Industrial Coop. Society, Farachha Road, Surat admeasuring 1200 sq. yds. as described in sale deed registered under registration No. 3844 in the month of December, 1976 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Prabhavatiben Chinubhai; and  
(2) Shri Rajiv Chinubhai, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I.

Ahmedabad-380009, the 20th August 1977

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1261(598)/1-1/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 2565-7, 2565-8(Part) 2636 (Part). 2565-3, 2565-4, 2565-5, 2565-6 of Kalupur Ward-III, situated at Kalupur Ward-III, Jankor Naka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Gokul Hotels Private Limited, Shop No. 7, Vrindavan Shopping Centre, Pankore Naka, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The right to construct second to sixth floor over the existing building bearing Sur. Nos. 2565-7, 2565-8, 2528 (Part), 2636 (Part) 2665-3, 2565-5, 2565-5, 2665-6, standing on land admeasuring 3260 sq. yds. situated at Pankore Naka, Kalupur Ward No. 3, Ahmedabad as described in the sale-deed registered under Registration No. 702 in the month of January, 1977 by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 20-8-1977

Scal :

## FORM ITNS

(1) Sri Gorachand Mullick & Sri Ajit Kumar Mallick 15,  
Kali Kumar Banerjee Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Birendra Nath Som 14, Ramanath Mazumdar  
Street Calcutta-9.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-76/C-72/CAL-1/76-77.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27, situated at Srigopal Mullick Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 25.1.77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land of 2 Cottah 3 Chittaks 16 Sq. ft. in the North-West portion of premises at 27, Srigopal Mullick Lane, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 17-8-77  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1977

Ref. No. TR-77/C-71/CAL-1/76-77.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, situated at Srigopal Mullick Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 27-1-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ajit Kumar Mullick
  2. Sri Gorachand Mullick, both of No. 15, Kali Kumar Banerjee Lane, Calcutta.
- (Transferor)
- (2) Sri Prabodh Chandra Dey 235B, Bipin Behari Gangully Street, Calcutta-12.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of 2 Cottah 2 Chittack 39 Sq. ft. in the East side portion of premises at 27, Srigopal Mullick Lane, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 17-8-77  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) L. Sri Ajit Kumar Mullick.

2. Sri Gora Chand Mullick, 15, Kali Kumar Banerjee Lane, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1977

Ref. No. TR-78/C-70/CAL-1/76-77.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, situated at Srigopal Mullick Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 27.1.1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Saktipada Ghosh, 6, Bankim Chatterjee Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of 2 Cottah 3 Chittacks 35 sq. ft. in the South-West portion of premises at 27, Sri Gopal Mullick Lane, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 17-8-77  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 20/JAN/77. —Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 216, situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 53/77) on January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. N. Shanbagavalli Ammal, 2. Shri N. Subash Chandra Bose, 3. Shri N. Ramasubramanian 4. Miss Devika, 5. Miss Anusuya, 6. Miss Mallika, 7. Shri S. Kuppusami Pillai, 8. Shri Padmanabhan 9. Shri Mohunraj, 10. Miss Jaya No. 217B, Dindigul Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. T. P. M. Manickavalli Ammal, W/o. Shri T. P. Murugan, No. 401/A, Lions Town, South Cotton Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1,574 sq. ft. with building thereon at door No. 216A (T. S. Nos. 878/1 & 2, 879/1&2, 880/1&2), Dindigul Road, Madurai.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 29/JAN/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 147A, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madurai (Doc. No. 136/77) on January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. A. R. Gunavathi Ammal, 2. Shri A. R. Mohan, 3 Shri K. L. Jagadeesh, 4, Shri P. R. M. Govindar, 5. Shri P. S. Narasimhachary 6. Shri B. M. Rangachary, No. 17, Mahal 2nd Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. SM. Meenakshi, W/o, Shri R. M. Somasundaram, No. 3, Venkataraman Road, Chinna Chokikulam, Madurai-2.

(Transferee)

(3) Shri S. K. A. R. SM. Ramanathan Chettiar.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in land measuring 2,629 sq. ft. of land and building thereon at door No. 147-A, South Masi Street, Madurai.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I.

Madras-6.

Date : 11-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Smt. A. R. Gunavathi Ammal, 2. Shri K. L. Jagadeesh, 3. Shri P. R. M. Govindaier, 4. Shri P. S. Narasimhachary, 5. Shri B. M. Rangachary, No. 17, Mahal 2nd Street, Madurai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. S. M. Meenakshi, W/o. Shri R. M. Somadsundaram, No. 3, Venkataraman Road, Chinna Chokkikulam, Madurai-2.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- (3) Shri S. K. A. R. SM. Ramanathan Chettiar

(Person in occupation of the property)

## ACQUISITION RANGE-I

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 30/JAN/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 147A, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR-II, Madurai (Doc. No. 137/77) on January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in land measuring 2,629 sq. ft. and building thereon at door No. 147-A, South Masi Street, Madurai.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 31/JAN/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 147-A, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR-II, Madurai (Doc. No. 135/77) on January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. A. R. Gunauathi Ammal, 2. Smt. M. A. Geetha, 3. Shri K. L. Jagadeesh, 4. Shri P. RM. Govindaier, 5. Shri P. S. Narasimbachary, 6. Shri B. M. Rangachary, No. 17, Mahal 2nd Street, Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. S. M. Meenakshi, W/o. Shri Somadsundaram, No. 3, Venkataraman Road, Chinna Chokkikulam, Madurai-2.

(Transferee)

- (3) Shri S. K. A. R. SM. Ramanathan Chettiar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in land measuring 2.629 sq. ft. and building thereon at door No. 147-A, South Masi Street, Madurai.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 11-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 32/JAN/77. —Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 147-A, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madurai (Doc. No. 134/77) on January, 1977. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. A. R. Gunavathi Ammal, 2. Smt. V. N. Vijayalakshmi, 3. Shri K. J. Jagadesh, 4. Shri P. R. M. Govindaier, 5. Shri P. S. Narasimhachary, 6. Shri B. M. Rangachary, No. 17, Mahal 2nd Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Meenakshi, W/o. Shri Somasundaram, No. 3, Venkataraman Road, Chinna Chokkikulam, Madurai.

(Transferee)

(3) Shri S. K. A. R. SM. Ramanathan Chettiar  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in land measuring 2.629 sq. ft. and building thereon at door No. 147-A, South Masi Street, Madurai.

K. PONNAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 11-8-1977.  
Seal :

## FORM ITNS —

(1) Fr. Elred D'Silva, Sacred Heart College, Shenbagapur, Kodaikanal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Kamaludeen, S/o. Shri Mohammed Yusuff, Bazar Street, Kodaikanal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th August 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 35/JAN/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

192, situated at Kodaikanal (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal (Doc. No. 39/77) on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 acres and 4 cents at survey No. 192, Kodaikanal.

K. PONNAN  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.  
(Incharge)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1977.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Fr. Elred D'Silva, Sacred Heart College, Shenbagapur, Kodaikanal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Akbar Sheikh, S/o. Mohamed Yusuff, Post Office Road, Kodaikanal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-6.

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 36/JAN/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 193, situated at Kodaikanal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Kodaikanal (Doc. No. 40/77) on 31-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—236G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 acres and 57 cents in survey No. 193 at Kodaikanal.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Date : 11-8-1977.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-6**

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 37/77/JAN.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 191, situated at Kodaikanal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal (Doc. No. 41/77) on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Fr. Elred D'Silva, Sacred Heart College, Shenbagalur, Kodaikanal.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohamed Yusuff, S/o Maman Ratha Rowther, Post Office Street, Kodaikanal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 12 acres and 18 cents at Survey No. 191, Kodaikanal.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 11-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Govindha Reddiar, Thirukkanur P.O. Pondicherry State.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Hema (Minor) Representated by father and natural guardian Shri D. Pandyan Chettiar, No. 24 Subbaraya Chetty St. Tirupapuliur Cuddalore 607 002.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-6

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th August 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F.3769/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26 and 27, situated at South Kavarai Street, Manjakuppam, Cuddalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at JSR I, Cuddalore (Doc. No. 1137/76) on 23-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 11640 Sq. ft. (with building) and bearing Door Nos. 26 and 27, South Kavarai Street, Manjakuppam, Cuddalore (T. S. No. 1007)

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1977.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri E. K. Venkatachalam 9/52, Rajan Road,  
Srinivasapuram, Tanjore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. V. V. Anandavalli W/o, Shri M. Radhakri-  
shnan 8-B/20 Ragupathy Layout, Saibaba Mission  
P.O. Sangannur village, Coimbatore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Madras 6, the 18th August 1977

Ref. No. F.4143/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15/89; S. No. 391/1, situated at T. S. No. 158, Sangannur village, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1957/76) on 10-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 15/89; Municipal Ward No. 15, T.S. Ward 12, T.S. No. 158, S. No. 391/1, Sangannur village, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II.  
Madras-6

Date : 18-8-1977  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. S. Doraiswamy, No. 82 Ponnurangam Road (East) R. S. Puram P.O., Coimbatore-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shree Coimbatore Jain Shwetamber Murtipujak Sangh No. 81 Ponnurangam Road (East) R. S. Puram P.O. Coimbatore-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. F.4140/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 82, Ponnurangam Road, at (East), R. S. Puram, Coimbatore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2965/76) on 13-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly terraced and partly tiled house on a house plot on the northern side of the 40 feet wide Ponnurangam Road (East), R. S. Puram, Coimbatore-Municipal Door No. 82, Municipal Ward No. 27.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6

Date : 12-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. F.4131/76-77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70 Subramaniam Road, situated at R. S. Puram Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at JSR Coimbatore (Doc. No. 2955/76) on 10-12-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. S. Gopinatha Rao; Shri P. S. Ramachar and Smt. Santha No. 70 Subramaniam Road R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri S. Duraiswamy No. 101 Light house road R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4560 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 29/70 Subramaniam Road, R. S. Puram, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range II.

Date : 12-8-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mahendran Enterprises represented by partner Shri V. P. Lakshmanasami Thirunagar colony, Erode.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Ramamurthy No. 59 Thirunagar Colony Erode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 4159/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 8 situated at T. S. No. 17 Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 3807/76) on 9-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land measuring 3800 Sq. ft. and bearing site No. 8, T.S. No. 17 (Layout), Erode.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II.  
Madras-6

Date : 12-8-1977.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 4159/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 6 situated at T. S. No. 17, Erode. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 3808/76) on 9-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. M. L. R. & Co. represented by partner Shri V. P. Rathnaswami No. 261 Agrahara St., Erode.  
(Transferor)

- (2) Shri P. Ponnuswami S/o. Shri Poykiyana Gounder Senapathipalayam, Erode. Smt. P. Subbulakshmi 13A, Mosuvaraigounderkadu, Erode. Shri N. Chin-nathambi S/o. Shri Narayana Gounder No. 106 Periya Thottahm Senniamalai Road, Erode.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5210 Sq. ft. and bearing Site No. 6, T.S. 17 (Lay out), IV Ward Erode.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II.  
Madras-6

Date : 12-8-1977.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. M. L. R. &amp; Co. represented by partner Shri V. D. Rathnaswami No. 261 Agrahara St., Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-6

(2) (1) Shri K. P. Kandasami 103 peria Thottam, Sen-nimalai Road Erode.

(2) Shri S. Krishnasami No. 103 Peria Thottam, Erode.

(3) Shri P. Chinnappa Gounder Kasipalayam, Erode.

(Transferee)

Madras-6 the 12th August 1977

Ref No. 4159/76-77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 5 situated at T.S. No. 17, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at JSR I Erode (Doc. No. 3809/76) on 9-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—236G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5230 Sq. ft. and bearing Site No. 5, T. S.No. 17 Lay Out, Erode.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. M. Periasami Gounder Veerappan Chatram  
Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6(2) (1) Shri A. Muthusami S/o Shri Ammasai Gounder  
Vairapalayam, Erode.(2) Shri V. M. Ramaswami S/o Shri Marappa  
Gounder, Nehruji St., Cauvery Road, Veerap-  
pan Chitram, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6 the 12th August 1977

Ref. No. F.4162/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN,  
being the competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 46-B situated at Erode (26 2/3 Cents of land)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
JSR I Erode (Doc. No. 3953/76) on December 1976 for an  
apparent

consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 26 2/3 Cents and bearing S. No. 46-B,  
Erode. (Doc. No. 3953/76).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-8-1977  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Devarajan S/o Shri V. M. Periasami  
Gounder Veerappan Chatram Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Muthusami S/o Shri Ammasai Gounder  
Vairapalayam, Erode.  
Shri V. M. Ramasami S/o Shri Marappa Gounder  
Nehruji St., Cauvery Road, Veerappan Chatram,  
Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. F. 4162/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
S. No. 46-B, situated at Erode (26 2/3 Cents of land),  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
JSR I, Erode (Doc. No. 3954/76) on December 1976,  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 0.26 2/3 Cents and bearing S. No. 46-  
B, Erode (Doc. No. 3954/76).

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date: 12-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kannusami S/o Shri V. M. Periasami Gounder  
Veerappa Chatram, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 4162/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 46-B, situated at Erode (0.26 2/3 Cents), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 3955/76) in December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri A. Muthusami S/o Shri Ammasami Gounder  
Vairapalayam, Erode.Shri V. M. Ramasami S/o Shri Marappa Gounder  
Nehruji St., Cauvery Road, Veerappan Chatram,  
Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 26 2/3 Cents and bearing S. No. 46-B, Erode (Doc. No. 3955/76).

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 12-8-1977

Scal:

## FORM ITNS

(1) Shri P. Damodhara Murthy No. 7 Damodhara-murthy Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri S. Natarajan No. 3, Ponnangipuram I Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 19th August 1977

Ref. No. F. 5377/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Ponnangipuram First Street, Nungambakkam, Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR II Madras North (Doc. No. 4623/76), on 15-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 3, Ponnangipuram First Street, Nungambakkam, Madras-34.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-8-1977

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. Baggiammal 1/31-A Eldams Road, Madras-18.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Velu Ambalam 11, Poes Road, Madras-18.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 18th August 1977

Ref. No. F. 5413/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/31 Eldams Road, situated at Teynampet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Madras) (Doc. No. 1232/76) on 4-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 1/31 Eldams Road, Teynampet, Madras (1692 Sq. ft.).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1977  
Seal:

FORM ITNS—

(1) P. Geetha; B. Radhakrishna, R. Yuvaraj and R. Prasad Reddiar St., Nellikuppam South Arcot Dist.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. E. Vasantha No. 2 First Main Road, Madras-35.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. r. 5428/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 55, Edward Elliotts Road situated at Madras-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore—Madras (Doc. No. 68/77) on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 55, Edward Elliotts Road, Madras.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-8-1977  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. K. Yamuna Devi No. 5, II Main Road, CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Najima Begum No. 6 T. Rahman Sahib Street, Ambur, N.A. Dist.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th August 1977

Ref. No. F. 5445/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/1, 40/B & 40/B(2), situated at Eldams Road, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II—Madras North (Doc. No. 4680/76), on 21-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 Ground & 961 Sq. ft. (with building) and bearing Door Nos. 40/1, 40/A, 40/B and 40/B(L) Eldams Road, Madras. [New Survey No. R. S. No. 1548/7 (Part)].

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 19-8-1977  
Seal:



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd August 1977

Ref. No. F. 3762/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. C. 113, 11th Cross St. situated at Thillainagar West Extension, Trichy Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR I Trichy (Doc. No. 3745/76), on 1-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. E. Veerammal W/o Shri Ezhumalai Chettiar C-73, 11th Cross Street Thillainagar Trichy.

(Transferor)

(1) 1. Smt. V. Maragatha Nachiar; and  
2. Shri V. Ramanathan No. 113, 11th Cross Thillainagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Plot No. C-113 (Door No. 2A), 11-A cross Street, Thillainagar, Tiruchirapalli (Doc. No. 3745/76).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-8-1977  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 25th August 1977

Ref. No. RAC No. 77/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/B/28 situated at Siddiambar Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodhowli, Hyderabad on 19-1-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bharat Construction Company, Managing partners, Sri Babula 1, Ja in H. No. 15-1-503 Siddiambar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Bai, W/o Shambhulal, H. No. 14-2-332/1 Gyan Bagh Colony, Hyderabad.

(Transferee)

(3) The Regional Manager, Corporation Bank H. No. 15-1-503/B/28 at 1Ind floor Ashok Market, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 15-1-503/B/28 1Ind floor Block No. II, situated at Ashok Market, Siddiambar Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 44/77 in the office of the Sub-Registrar Dood Bowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 25-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 25th August 1977

Ref. No. RAC No. 78/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/B/27 situated at Ashok Market, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Doodbowli, Hyderabad on 11-1-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bharat Construction Company, Firm managing partner Sri Babulal Jain, H. No. 14-2-33 2/7/A Gyanbagh Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Birdi Bai, W/o Mangilal H. No. 1-1-231/2-B at Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

(3) The Regional Manager, Corporation Bank, H. No. 15-1-503/B/27 at IInd floor Ashokmarket, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 15-1-503/B/27, IInd floor Block No. II, situated at Ashok Market, Siddiamber Bazar, Hyderabad consisting of 112.72 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 45/77 in the office of the Sub-Registrar Dood Bowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 25-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Navnitlal Chunilal Dharia.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri M. J. Tijoriwalla, M. M. Tijoriwalla, M. T. Tijoriwalla, S. T. Tijoriwalla, A. T. Tijoriwalla &amp; N. M. Parikh.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

SMT. K. G. M. P. AYURVED HOSPITAL BUILDING,  
5TH FLOOR, R. NO. 504, NETAJI SUBHASH MARG,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 18th August 1977

Ref. No. AR-I/1925-2/Dec.76.—Whereas, I, P. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 1/1526 of Girgaum Division situated at Chowpatty Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in Registered Deed No. 2093/72/Bom. registered on 15-12-1976 with Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 18-8-1977.

Seal :